RNI NO PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM
यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India
FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

फुटपाथों का क्या भला, कर सकती सरकार।
जनता ने कब्जे किये, जनता ज़िम्मेदार।
जनता ज़िम्मेदार, उसी की सारी गलती।
खुद घेरे फुटपाथ, सड़क पर भी खुद चलती।
कह साहिल कविराय, चखे खुद चना-चबेना।
समाधान खुद करे, हमें क्या लेना-देना।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 11 | ISSUE 181 | WEDNESDAY 08-07-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

सांसद वडिंग द्वारा बैंस को चार करोड़ देने की बात ने पकड़ा तूल, बैंस-कड़वल में तकरार

बैंस का आरोप - कड़वल ने दोस्त की पत्नी संग की गलत हरकतें, कड़वल - सात दिन में प्रूफ दो, नहीं तो मैं मयार्दा भूल जाऊंगा

पूर्व विधायक सिमरजीत बैंस ने लगाए आरोप

कमलजीत कड़वल ने प्रैस कांफ्रेस कर लगाए गंभीर आरोप

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। पंजाब कांग्रेस में एक तरफ हाईकमान द्वारा सभी लीडरों के एकजुट होने और कोई गुट्टबाजी न होने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ लुधियाना में कांग्रेसी लीडरों की आपसी तकरारबाजी देखने को मिली है। अब कांग्रेस के प्रदेश प्रधान राजा वडिंग द्वारा चार करोड़ रुपए पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस को ब्याज के लिए देने की अफवाहों ने तूल पकड़ लिया है। जहां एक दिन पहले पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस द्वारा प्रैस कांफ्रेस कर कांग्रेस नेता कमलजीत सिंह कड़वल पर गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं अब मंगलवार को कड़वल ने भी प्रैस कांफ्रेस की। जिसमें उन्होंने बैंस से उन पर लगाए आरोपों के प्रूफ मांगे हैं। उनका कहना है कि अगर उन्हें सात दिन में प्रूफ न दिए तो वे अपनी मयार्दा भूल जाएंगे।

तुम बलात्कारी परिवार से हो, इस लिए सभी वैसे लग रहे...पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस द्वारा प्रैस कांफ्रेस में बिना नाम लिए कड़वल पर आरोप लगाए गए कि वे उन्हें बलात्कारी कह रहे हैं। जबकि वो खुद बलात्कारी परिवार से आते हैं। उन्होंने कहा कि समय आने दो सब खुलासे करूंगा। जिसने अपने भाइयों जैसे दोस्त की पत्नी को नहीं छोड़ा, उसके साथ गलत हरकतें की। समय आने दो टीचर मैडम, करेटा कार वाली मैडम समेत सभी खुलासे किए जाएंगे।

मेरे 82 लाख रुपए नहीं किए वापिस...बैंस ने कहा कि इसे मुंह की बवासीर है। उसे 13 साल पहले मेरे से 82 लाख रुपए लिए थे, आज तक वापिस नहीं किए। अगर वे मैं बैंक में रखता तो आज ब्याज लगकर 4 करोड़ बन जाते। मैं सोचता था कि कोई ना बोलने दो इसे खुद ही हट जाएगा। लेकिन आवारा कुत्ता भौंकने से नहीं हट रहा। यह पार्षद की चुनाव हार रहा था, लेकिन बैंस के कारण जीत मिली। राजा वडिंग ने तब काम किया, जब सभी लीडर डरकर विदेशों में भाग गए थे। इस लिए सभी को मिलकर रहना चाहिए और हाईकमान के फैसले को स्वीकार करना चाहिए।

८२ लाख के आरोप पर दिखाई 1997 की फर्द

सिमरजीत बैंस ने कड़वल पर 82 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया था। इसका जवाब देते हुए कड़वल ने 1997 की एक जमीन की फर्द (दस्तावेज) लहराई। उन्होंने कहा, 1997 से पहले इस बंदे (बैंस) के पास एक गज जमीन का मालिकाना हक नहीं था। मैंने अपनी जमीन इसके नाम ट्रांसफर की थी। आज ये मुझ पर 82 लाख लेने का आरोप लगा रहा है। मैंने पूरी जिंदगी, अपनी कमाई और अपने सुख इस इंसान पर लुटा दिए। कड़वल ने चुनौती दी कि अगर 82 लाख का आरोप साबित हो गया तो वह वो पैसे गरीबों में बांट देंगे। कड़वल ने बताया कि वे कभी पक्के दोस्त हुआ करते थे। कड़वल ने कहा, जब बैंस पहली बार एमसी का चुनाव लड़ा था, तब वो एक गली का लोफर और गुंडा माना जाता था। मैंने उसे चुनाव लड़ाया लेकिन वो अपनी गुंडागर्दी के कारण हार गया। कड़वल ने आगे बताया कि वह बैंस की खातिर जेल भी गए, लेकिन जेल में जाकर उन्हें बैंस की नीयत का पता चला।

ऑफिस आई महिलाओं को बैडरुम में ले जाना क्या अच्छी बात है

कमलजीत कड़वल ने अन्य लीडरों के साथ प्रैस कांफ्रेस करके आरोप लगाए कि सिमरजीत बैंस के पास कई महिलाएं सहायता लेने के लिए आई। पहले तो उन्हें पैसे देकर सहायता कर दी, फिर उन पर दबाव डालकर बैडरुम में लेकर जाना क्या अच्छी बातें हैं। ऑफिस में काम करने वाली लड़कियांङ्कअब क्या ही बोले मैं उस बारे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी के घर मीटिंग के बाद मैंने कह दिया कि चन्नी की लोकप्रियता ज्यादा है। बस इस बात पर बैंस जैसे लोग भड़कने लग गए। बैंस ने आरोप लगाए कि मैंने भाइयों जैसे दोस्त की पत्नी से गलत रिश्ता बनाया। मैं कहता हूं कि वे प्रूफ पेश करे, फिर मैं जनता की कचहरी में जवाब दूंगा। सात दिन का समय है, अगर प्रूफ न दिए तो मैं मयार्दा भूल जाऊंगा। इसकी शिकायत दी जाएगी। अगर ऐसे महिलाओं पर उंगली उठाई जाएगी, तो महिलाएं उसकी घर जाकर बेइज्जती करेगीं। बैंस ने अपने कार्यकाल के दौरान एक भी सड़क नहीं बनाई। मुझे सिर्फ डेवलपमेंट का शौंक है। साल 2022 के विधानसभा चुनाव में हल्का आत्म नगर से कोई भी लीडर सिमरजीत बैंस की गुंडागर्दी के कारण चुनाव लड़ने को तैयार नहीं था। लेकिन उन्होंने बिना डरे चुनाव लड़ा। पंजाब की जनता में चन्नी की लोकप्रियता ज्यादा है। ऐसे में जनता चन्नी को सीएम फेस मानती है। लेकिन कांग्रेस में कुछ लीडर आपसी दरार डालने में लगे हैं।

रस्म पगड़ी

आपको बड़े दुखी हृदय से सूचित किया जाता है कि हमारी आदरणीय
श्रीमती कुसुम जैन
(धर्मपत्नी श्री कुलदीप राय जैन)
का दिनांक 07.07.2026 मंगलवार को निधन हो गया है।

रस्म पगड़ी
दिनांक 08–07–2026 दिन बुधवार को प्रातः 11 बजे
शहनशाह पैलेस, फिरोजपुर रोड, लुधियाना में होगी।

शोकाकुल परिवार
कुलदीप राय जैन (पति)
अमित जैन – समिता जैन (पुत्र–पुत्रवधु)
विकास जैन – चारु जैन (पुत्र–पुत्रवधु)
विशाल जैन – सलोनी जैन (पुत्र–पुत्रवधु)
रितु जैन – अमित जैन (बेटी–दामाद)
चाहत, मुदिता, श्रेय, प्रियल, रक्षित,
कायना, रूषि, राहत, प्रयाण जैन (पौत्र, पौत्री)
सतीश जैन – कविता जैन (भतीजा–भतीजवधु)
सुरेश जैन – रजनी जैन (भतीजा–भतीजवधु)
संजीव जैन – ट्विंकल जैन (भतीजा–भतीजवधु)
कांता रानी जैन – स्व. वीर चंद जैन (बनूड़) (ननद–ननदोई)
स्व. ऊषा जैन – स्व. अशोक जैन (दिल्ली) (ननद–ननदोई)
प्रवीण जैन – अजीत जैन (अंबाला) (ननद–ननदोई)
स्व. चंचल जैन – स्व. सतीश जैन (पटियाला) (ननद–ननदोई)

मायका परिवार:
श्री प्यारे लाल गुलजारी लाल जैन
श्री प्यारे लाल दर्शन जैन रायकोट

KULDIP OSWAL PARIVAR
LUDHIANA. M: 9915758180

40-50% कैंसर सही जीवनशैली अपनाकर रोका जा सकता हैं : डॉ. हरीश मट्टा

लुधियाना/यूटर्न/07 जुलाई। कैंसर आज केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि दुनिया भर के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। पहले जहां इसे बढ़ती उम्र से जोड़कर देखा जाता था, वहीं अब कम उम्र के लोगों और यहां तक कि बच्चों में भी कैंसर के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। बदलती जीवनशैली, तनाव, प्रदूषण, धूम्रपान, शराब और गलत खानपान जैसे कई कारण इस बीमारी के बढ़ने की बड़ी वजह माने जा रहे हैं।

इन्हीं मुद्दों पर फोर्टिस अस्पताल में जनरल सर्जरी एवं ऑन्कोसर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. हरीश मट्टा से विशेष बातचीत हुई। पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश—

सबसे पहले अपने सफर के बारे में बताइए। एक बिजनेस फैमिली से कैंसर सर्जन बनने का फैसला कैसे लिया?

डॉ. मट्टा : मेरा संबंध फगवाड़ा से है और मैं एक व्यवसायिक परिवार से आता हूं। हमारे परिवार में मुझसे पहले कोई डॉक्टर नहीं था। डॉक्टर बनने का सपना मेरे पिता का था और उन्हीं की प्रेरणा से मैंने मेडिकल क्षेत्र चुना। एमबीबीएस और जनरल सर्जरी की पढ़ाई के बाद मैंने ऑन्कोसर्जरी इसलिए चुनी क्योंकि यह बेहद चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। परिवार में कैंसर से जुड़े कुछ दुखद अनुभव भी रहे, जिन्होंने मुझे इस दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया।

आज कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह क्या है?

डॉ. मट्टा : आज कैंसर को काफी हद तक लाइफस्टाइल डिजीज माना जाता है। धूम्रपान, शराब, मोटापा, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव, प्रदूषण और गलत खानपान इसके प्रमुख कारण हैं। अच्छी बात यह है कि 40 से 50 प्रतिशत कैंसर केवल स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर रोके जा सकते हैं।

क्या अब कैंसर कम उम्र के लोगों को भी प्रभावित कर रहा है?

डॉ. मट्टा : बिल्कुल। पहले कैंसर को बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब युवाओं और बच्चों में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं। खासकर महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर पहले की तुलना में काफी कम उम्र में देखने को मिल रहा है। पहले ज्यादातर मरीज 50 वर्ष की उम्र के बाद आते थे, जबकि अब 30 से 40 वर्ष की महिलाएं भी इसकी चपेट में आ रही हैं।

क्या कैंसर शरीर में पहले से कोई संकेत देता है?

डॉ. मट्टा : हां, शरीर कई संकेत देता है। लगातार खांसी रहना, शरीर में गांठ महसूस होना, कोई घाव लंबे समय तक न भरना, अचानक वजन घटना, भूख कम लगना, मल-मूत्र की आदतों में बदलाव या असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसे मामलों में तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

लोगों में यह धारणा है कि कैंसर का इलाज बहुत महंगा है और इससे बचना मुश्किल है। आप क्या कहेंगे?

डॉ. मट्टा : सबसे जरूरी बात यह है कि यदि कैंसर पहले या दूसरे स्टेज में पकड़ में आ जाए तो 92 से 95 प्रतिशत तक इलाज सफल हो सकता है। हमने ऐसे कई मरीज देखे हैं जो 15 से 20 साल बाद भी पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। इसलिए डरने की बजाय समय पर जांच कराना सबसे जरूरी है।

कैंसर की जांच कब से शुरू करानी चाहिए?

डॉ. मट्टा : सामान्य तौर पर 40 वर्ष की उम्र के बाद बेसलाइन हेल्थ चेकअप जरूर कराना चाहिए। इसके बाद हर दो-तीन साल में जांच कराएं। 50 वर्ष की उम्र के बाद साल में एक बार नियमित स्क्रीनिंग कराना बेहतर रहता है। महिलाओं के लिए मैमोग्राफी और पुरुषों के लिए प्रोस्टेट संबंधी जांच समय पर कराना लाभदायक होता है।

आखिर में लोगों के लिए आपका संदेश?

डॉ. मट्टा : स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है। नियमित व्यायाम करें, संतुलित भोजन लें, धूम्रपान और शराब से दूर रहें, तनाव कम करें और शरीर में किसी भी असामान्य बदलाव को नजरअंदाज न करें। याद रखें, कैंसर का समय पर पता चल जाए तो इसका सफल इलाज संभव है।

विधायक अयाली को चार जिलों का प्रभारी बनाए जाने का लवली ने किया स्वागत

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। अकाली दल वारिस पंजाब दे द्वारा वरिष्ठ नेता एवं विधायक मनप्रीत सिंह अयाली को पंजाब के चार जिलों मोहाली, श्री फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना और रूप नगर का प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। बड़ी संख्या में लोग पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर अकाली दल वारिस पंजाब दे से जुड़ चुके हैं और यह सिलसिला लगातार जारी है। विधानसभा क्षेत्र जगराओं के सेवादार राजीव कुमार लवली ने विधायक अयाली को मिली इस जिम्मेदारी का स्वागत किया। लवली ने कहा कि अयाली की नियुक्ति का प्रभाव केवल मालवा ही नहीं, बल्कि पूरे पंजाब में देखने को मिलेगा।

17 जुलाई को जींद से हरियाणा को मिलेगी विकास की बड़ी सौगात, पीएम मोदी दिखाएंगे देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई। हरियाणा के लिए 17 जुलाई का दिन कई मायनों में ऐतिहासिक होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद दौरे के दौरान देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे और हाइड्रोजन गैस प्लांट का भी उद्घाटन करेंगे। यह परियोजना स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में भारत का एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर क्षेत्र तक विकास पहुंचाना है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री प्रदेश को स्वास्थ्य, सड़क, रेलवे, पर्यटन और आधारभूत ढांचे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात देंगे। इस अवसर पर भिवानी और नारनौल मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, अंबाला-कालाआंब ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और कुरुक्षेत्र के उप्पी गांव में बनने वाले भव्य सिख संग्रहालय की आधारशिला भी रखी जाएगी।

इसके अलावा दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के हरियाणा हिस्से, जींद-गोहाना राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-352डी) और हांसी-बरवाला राष्ट्रीय राजमार्ग का भी उद्घाटन किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, रोजगार के नए अवसर और औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी। 17 जुलाई का यह कार्यक्रम हरियाणा के विकास की दिशा में एक अहम पड़ाव माना जा रहा है।

पेज 06 भगवान जगन्नाथ रथयात्रा ने सभी समुदाय के लोगों...

निगम अधिकारियों के गले की फांस बने कमिश्नर के ऑर्डर, अब करप्शन कर बनवाई इमारतों का कैसे देगें ब्यौरा!

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। लुधियाना कारपोरेशन के कमिश्नर ओजस्वी अलंकार एक्शन मोड में आ चुके हैं। उनकी तरफ से बिल्डिंग ब्रांच के एसई, एमटीपी, एटीपी और इंस्पेक्टरों को इलाकों में निमार्णाधीन अवैध इमारतों, पहली बनी इमारतों और कितने चालान किए और फीस जमा करवाने की पूरी रिपोर्ट बनाने के ऑर्डर दिए हैं। यह ऑर्डर अब अफसरों के गले की फांस बनते जा रहे हैं। क्योंकि कारपोरेशन में कई अफसर ऐसे हैं, जिन्होंने मिलीभगत करके चारों जोन में दर्जनों इमारतें बनवाई। अब करप्शन कर बनवाई बिल्डिगों की डिटेल कैसे दी जाए, इसे लेकर अफसर चिंता में पड़ गए हैं। अब देखना होगा कि अधिकारी डिटेल दे पाते हैं या नहीं। हालांकि कमिश्नर के इस एक्शन से शहर में चल रहे बिल्डिंग सील और अनसील के खेल को भी खत्म किया जा सकेगा। चर्चा है कि अधिकारी अपने चहेतों की इमारतों की जानकारी रिपोर्ट में नहीं डाल रहे।

निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार

आकाओं के पास पहुंच रहे अधिकारी

वहीं चर्चा है कि अधिकारियों द्वारा अवैध इमारतें बनवाने में अकेले रिश्वत नहीं ली। बल्कि इन मामलों में राजनेताओं की भी हिस्सेदारी होती है। ऐसे में चर्चा छिड़ गई है कि अधिकारी अपने बचाव के लिए आकाओं के पास पहुंच रहे हैं। दरअसल, अधिकारी फंसने पर नेता का भी नाम उजागर होगा। ऐसे में नेता खुद को बचाने के लिए सिफारिश कर सकते हैं।

दो इंस्पेक्टरों के खिलाफ कार्रवाई बीच में रुकी

अपने सख्त एक्शन के लिए जानी जाती पूर्व कमिश्नर डॉ. नीरू कत्याल गुप्ता द्वारा 29 मई को बिल्डिंग ब्रांच के दो इंस्पेक्टरों पर एक्शन लिया था। जिसमें जोन-ए के बिल्डिंग इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह मक्कड़ और जोन-सी के दिलीप कुमार सोनी के खिलाफ अवैध निमार्णों पर कार्रवाई न करने और अपने ड्यूटी में लापरवाही करने को लेकर चार्जशीट की सिफारिश की थी। लेकिन डेढ़ महीने बाद भी कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी। हालांकि दोनों अधिकारी आज भी ड्यूटी कर रहे है और उन्हीं जोन में तैनात है, जहां करप्शन के आरोप लगे थे। इसी तरह फायर विभाग के एफएसओ करतार सिंह खिलाफ भी लोकल बॉडी विभाग ने चार्जशीट दायर करने के आदेश दिए थे। लेकिन वे मामला दबा लिया गया। अब देखना होगा कि क्या मौजूदा कमिश्नर ओजस्वी अलंकार इस कार्रवाई को पूरा करवा पाते हैं या नहीं।

अवैध होटलों पर खानापूर्ति की कार्रवाई

जोन-ए अधीन आते भदौड़ हाउस में एससीएफ की जगह होटल विक्रांत, होटल महाराजा, होटल ग्रेट वॉल और होटल सरताज बने हैं। वहीं शू मार्केट के पीछे होटल नीलकंठ इललीगल बना है। नियमों के मुताबिक पांचों होटल सील करने बनते हैं। इन होटलों का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। जिसके चलते एटीपी कपिल देव और इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह मक्कड़ की अगुवाई में टीम ने खानापूर्ति के लिए पांचों होटलों के 1-2 कमरे नॉन कंपाउंडेबल बता सील कर दिए। अब इन होटल मालिकों का बचाव क्यों हो रहा है, यह अधिकारी ही बता सकते हैं। फायर विभाग के एफएसओ करतार सिंह ने तो होटल नीलकंठ को इललीगल तरीके से एनओसी दे डाली थी।

गलत कंपाउंडिंग कर बनी कमर्शियल इमारत

कारपोरेशन जोन-सी के अधीन आती गिल रोड, लोहा मार्केट में पंजाब हार्डवेयर स्टोर की बैक साइड़ सड़क पर रमन स्टील फर्म की गलत कंपाउंड कर कमर्शियल इमारत बनवाई गई। यह इमारत इंस्पेक्टर दलीप कुमार सोनी के कार्यकाल में बनी। दो अप्रैल को यह मामला निगम बिल्डिंग ब्रांच के उच्च अधिकारियों तक पहुंचा। विवाद बढ़ने पर अफसरों ने बचाव करने को हेरफेर करके बिल्डिंग को दस्तावेजों में लीगल बना दिया। मामले में आज तक एटीपी रणधीर सिंह और इंस्पेक्टर दलीप सोनी द्वारा स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा। वहीं ब्लॉक-21 में रिहायशी एरिया में सरेआम कमर्शियल इमारत बनाई जा रही है। इंस्पेक्टर सोनी ने शिकायत के बावजूद एक्शन नहीं लिया।

शिकायतों के बावजूद 40 गज में बना होटल

जोन-डी अधीन आते बस स्टैंड स्थित यमला पार्क नजदीक साढ़े चार मंजिलां होटल वेव इललीगल बना हुआ है। ढ़ाई मंजिल पास करवा पांच मंजिल बनवाई गई। जुलाई 2025 में निगम जोन-डी बिल्डिंग ब्रांच को शिकायतें हुई, तो पूर्व एटीपी मोहन सिंह ने मौके पर आकर काम रुकवाया। लेकिन कुछ दिन बाद फिर काम शुरू हो गया। अब कुछ दिन पहले होटल बनकर तैयार भी हो गया और रुम बुकिंग भी शुरू हो गई। इसी तरह चौकी आत्म पार्क के एकदम सामने बिना हाउसलेन छोड़े एक मोटर एजेंसी द्वारा चार मंजिलां आलीशान इमारत बनाई जा रही है।

भदौड़ हाउस में बिल्डिंग सील करके फिर खोली

इसी तरह भदौड़ हाउस में ढ़ाई मंजिल बिल्डिंग पास करवाकर पांच मंजिलां बना डाली। निगम ने उसे सील किया और दो महीने बाद सेटिंग होने पर सील खोल दी। अब वहां निर्माण जारी है। चर्चा है कि एक महिला अफसर की सिफारिश से सील खुली है।

आमने-सामने दो अवैध इमारतें, एक सील तो दूसरी पर मेहरबानी

निगम जोन-ए के वॉर्ड 90 की पुरानी कोतवाली में 10 फीट की गली में 40 गज में बेसमेंट समेत पीएस मोबाइल शोरुम नामक छह मंजिलां इमारत बनी। पूर्व एटीपी गुरविंदरपाल सिंह लक्की, पूर्व इंस्पेक्टर कशिश गर्ग और मौजूदा इंस्पेक्टर हरमिंदर सिंह मक्कड़ ने नोटिस दिए। लेकिन पूर्व निगम कमिश्नर और सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर के आदेशों पर भी एक्शन नहीं लिया। जबकि इसी इमारत के एकदम सामने 5 कदमों पर तीन मंजिलां अवैध इमारत सील कर दी। चर्चा है कि बिल्डिंग मालिक और एक अधिकारी में मार्केट के एक भगवान के नाम की दुकान वाले व्यक्ति ने बचौला बनकर समझौता कराया। जबकि बिचौले की खुद की मोबाइल असेंसरी की इमारत अवैध है।

कमिश्नर की रोक के बावजूद बनवा डाला शोरुम

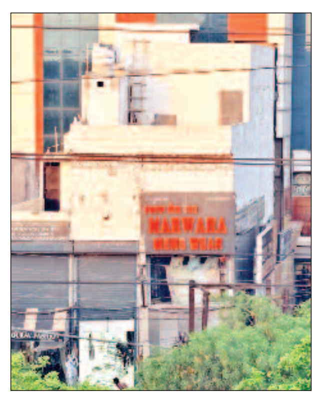

जोन-ए अधीन आती चांद सिनेमा रोड पर बनी मरवाहा मैन्स वेयर की चार मंजिलां इमारत इललीगल तरीके से तैयार की गई है। शोरुम मालिक ने उक्त इमारत तो बनाई ही, बल्कि साथ में एक और अवैध इमारत बनाकर आपस में जोड़ ली। डेढ़ मंजिल पास होने के बावजूद अवैध निर्माण हुआ। सितंबर 2025 में दूसरा लैटर पड़ने के दौरान पूर्व एटीपी लक्की को शिकायत हुई। लेकिन एक्शन नहीं लिया। फिर पूर्व कमिश्नर आदित्य डेचलवाल, एडिशनल कमिश्नर परमदीप सिंह खैरा को शिकायत हुई। कार्रवाई न होने पर एटीपी को सस्पेंड कर दिया और 10 दिन बाद बहाल किया। छह महीने अधिकारी दस्तावेजी खेल खेलते रहे और शोरुम बनकर तैयार हो गया। जबकि गुरविंदरपाल लक्की आज उसी जोन में इंस्पेक्टर तैनात हैं।

जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप 21 से, डीसी हिमांशु जैन ने जारी किया आधिकारिक पोस्टर

लुधियाना/यूटर्न/07 जुलाई। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ लुधियाना द्वारा आयोजित लुधियाना जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 का आधिकारिक पोस्टर मंगलवार को जारी किया गया। पोस्टर का विमोचन डिप्टी कमिश्नर एवं एसोसिएशन के अध्यक्ष हिमांशु जैन (आईएएस) ने किया। इस अवसर पर एसोसिएशन की महासचिव सुलभा जिंदल,

उपाध्यक्ष डॉ. आशीष आहूजा और विपोन डावर, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य हमंत भारद्वाज तथा संयुक्त सचिव एवं कोच मंगत राय शर्मा भी उपस्थित रहे। चैंपियनशिप का आयोजन 21 से 26 जुलाई तक शास्त्री बैडमिंटन हॉल, गुरु नानक स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता में अंडर-11 से लेकर वेटरन 70+ और सीनियर वर्ग तक के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में 5 लाख की पुरस्कार राशि, बीएआई (BAI) क्वालिफाइड अंपायर, पारदर्शी ड्रॉ प्रणाली, आकर्षक ट्रॉफियां और पदक खिलाड़ियों को उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रतियोगिता के लि प्रविष्टियां 13 जुलाई से शुरू होंगी, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 19 जुलाई निर्धारित की गई है।

रथयात्रा को लेकर महानगर वासियों में भारी उत्साह - विक्रम भुइयां

मनोज माटा

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ जी की पारंपरिक रथयात्रा श्री जगन्नाथ पुरम चन्दर नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से बड़ी धूमधाम से निकाली जा रही है। रथयात्रा की तैयारियों को लेकर शहर की सभी धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को निमंत्रण पत्र दिए जा रहे है। इस कड़ी के उपलक्ष्य में आर.आर.सखी ग्रुप की रोजी शर्मा रिशु मित्तल को निमंत्रण दिया गया। निमंत्रण लेते हुए रोजी शर्मा रिशु मित्तल ने कहा कि रथयात्रा में आर आर.सखी ग्रुप की सभी सदस्याएं भाग लेकर भगवान के रथ की रस्सी को खींचेंगी।

'लास्ट सीन' से टूटा आरोपी का बचाव: दोस्त से दुष्कर्म, फिर हत्या कर श्मशान में छिपाई थी लाश; चार साल बाद उम्रकैद

मोहाली/यूटर्न/07 जुलाई। चार साल पुराने दोस्त की दुष्कर्म के बाद हत्या और शव छिपाने के सनसनीखेज मामले में मोहाली की जिला अदालत ने आरोपी राहुल कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भले ही मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह नहीं था, लेकिन परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की ऐसी मजबूत श्रृंखला मौजूद थी, जिसने आरोपी के अपराध को संदेह से परे साबित कर दिया।

अदालत के अनुसार, अभियोजन पक्ष यह साबित करने में सफल रहा कि मृतक आखिरी बार आरोपी के साथ ही देखा गया था। इसके बाद आरोपी न तो यह बता सका कि दोनों कब अलग हुए और न ही उसके पास कोई विश्वसनीय सफाई थी। यही 'लास्ट सीन' थ्योरी इस मामले की सबसे अहम कड़ी बनी।

दोस्ती का भरोसा, फिर सुनियोजित वारदात

अभियोजन के मुताबिक 31 मार्च 2022 की रात कुराली निवासी युवक अपने दोस्त राहुल कुमार के साथ निकला था। जांच में सामने आया कि दोनों के बीच पैसों का विवाद था। आरोपी ने रिश्तेदार की मौत का बहाना बनाकर युवक को अपने साथ ले गया। रास्ते में उसने मृतक का मोबाइल बंद करा दिया और अपना फोन फ्लाइट मोड पर डाल दिया ताकि पुलिस उसकी लोकेशन ट्रैक न कर सके। जांच के अनुसार आरोपी युवक को गांव चिंतगढ़ के एक ट्यूबवेल के मोटर रूम में ले गया, जहां पहले उसे शराब पिलाई गई। जब वह बेसुध हो गया तो उसके साथ दुष्कर्म किया गया और बाद में मुंह व सांस दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी ने मौके से खून के निशान मिटाने की भी कोशिश की।

दो बोरों में भरकर श्मशान में छिपाया शव

हत्या के अगले दिन आरोपी ने शव को खाद के दो बोरों में भरकर साइकिल के जरिए गांव चिंतगढ़ के श्मशान घाट तक पहुंचाया और पराली के नीचे छिपा दिया। कुछ दिन बाद बदबू आने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सड़ी-गली हालत में शव बरामद हुआ और परिजनों ने उसकी पहचान की।

फोरेंसिक और डिजिटल सबूत बने सबसे बड़ी कड़ी

सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), गवाहों के बयान और फोरेंसिक रिपोर्ट पेश की। आरोपी की निशानदेही पर घटनास्थल से मृतक का मोबाइल, चप्पलें, हत्या में इस्तेमाल साइकिल और रस्सी बरामद हुई। फोरेंसिक जांच में आरोपी के कपड़ों और मोटर रूम से मिले खून के नमूने मृतक के डीएनए से मेल खा गए। इसके अलावा एक प्रत्यक्ष गवाह ने अदालत को बताया कि उसने वारदात वाली रात आरोपी को साइकिल पर भारी बोरी ले जाते देखा था। अदालत ने माना कि इन सभी परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की श्रृंखला केवल आरोपी की ओर ही इशारा करती है और किसी अन्य संभावना की गुंजाइश नहीं छोड़ती। इन तथ्यों के आधार पर अदालत ने राहुल कुमार को हत्या, दुष्कर्म और साक्ष्य मिटाने का दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

198 खिलाड़ियों को 20.59 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि, खेल संस्कृति को और मजबूत करेगी सरकार: नायब सैनी

पंचकूला/यूटर्न/07 जुलाई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि ऐसी मजबूत खेल संस्कृति विकसित करना है, जहां हर प्रतिभा को अवसर और मेहनत को सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत के लिए खेल शक्ति की मजबूत नींव तैयार कर रही है।

सेक्टर-1 स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस ऑडिटोरियम में आयोजित नकद पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले *198 खिलाड़ियों को

20.59 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की। इसमें विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं के 117 खिलाड़ियों को 13.75 करोड़, पैरा एशियन गेम्स 2022 के तीन खिलाड़ियों को 2.32 करोड़ और राष्ट्रीय स्तर के 78 खिलाड़ियों को 4.52 करोड़ रुपये दिए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रदेश के 16,984 खिलाड़ियों को लगभग 730 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की आबादी देश में करीब दो प्रतिशत है, लेकिन भारत के लिए जीते गए पदकों में राज्य का योगदान एक-तिहाई से अधिक है।

उन्होंने कहा कि एआई खेल प्रशिक्षण को वैज्ञानिक बना रही है, लेकिन खिलाड़ियों का जुनून, देशभक्ति और समर्पण तकनीक से कहीं ऊपर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि खेल विभाग का बजट 163 करोड़ रुपये से बढ़कर 668.42 करोड़ रुपये हो गया है तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, छात्रवृत्ति, खेल नर्सरियां और आधुनिक प्रशिक्षण केंद्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। समारोह में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में भारत ने की सबसे ज्यादा तरक्की - उमेश मल्होत्रा

मनोज माटा

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। पंजाब भाजपा के संगठन महासचिव मंथरी श्री निवासलु व भाजपा बुद्धिजीवी सैल पंजाब के अध्यक्ष पी. के. एस भारद्वाज के दिशा निर्देश पर जिला भाजपा बुद्धिजीवी सैल के प्रधान उमेश मल्होत्रा की ओर से चन्द्र नगर में एक समारोह का आयोजन कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल के प्रति लोगों को अवगत कराया गया। इस मौके उमेश मल्होत्रा ने कहा कि बीते

12 वर्षों में भारत ने विकास, सुरक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं को प्रधान सेवक मानते हुए 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार समझकर दिन-रात सेवा में जुटे हुए हैं। देश आज नए भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जन-धन योजना के तहत 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। कोरोना काल से अब तक 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से करोड़ों नागरिकों को नि:शुल्क उपचार की सुविधा मिली है। इस मौके पर दविंदर भगारिया, कल्याण भगत, राकेश साल्दी, अशोक धीर, नरेश गुप्ता, आशुतोष भगारिया आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन 'ब्लॉक कॉकरोच' नाकाम

दिल्ली हाई कोर्ट का वह फैसला, जिसमें व्यंग्य करने वाले हैंडल 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) का अकाउंट बहाल करने का निर्देश दिया गया, किसी एक गुमनाम सोशल मीडिया पेज की जीत से कहीं ज्यादा है। यह उस सिद्धांत की अहम पुष्टि है जो हर लोकतंत्र की बुनियाद में है: सरकारों को आलोचना, मजाक और यहाँ तक कि बेअदबी को भी बर्दाश्त करने में सक्षम होना चाहिए।

संदीप शर्मा, सम्पादक

जनता के बीच होने वाली बातचीत में राजनीतिक व्यंग्य की हमेशा एक खास जगह रही है। सोशल मीडिया के आने से बहुत पहले भी, कार्टून, व्यंग्य-लेख और पैरोडी कॉलम शासकों की कमियों को उजागर करके और सत्ता के रुतबे को कम करके उन्हें जवाबदेह बनाते थे। लोकतंत्र तब फलते-फूलते हैं जब नेता खुद पर हँस सकें—या कम से कम, उन लोगों की आवाज दबाने के लालच से बच सकें जो उन पर हँसते हैं।

CJP का अकाउंट ब्लॉक करने से जुड़ा विवाद परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है। अगर सरकार की कार्रवाई से कोई व्यंग्य वाला अकाउंट रातों-रात गायब हो सकता है, तो यह उन हजारों आम नागरिकों को क्या संदेश देता है जो राजनीति पर टिप्पणी करने के लिए हास्य का सहारा लेते हैं? इसका असर सिर्फ. एक अकाउंट तक सीमित नहीं रहता। मनमाने ढंग से अकाउंट हटाने का डर लोगों को खुद पर रोक लगाने (सेल्फ-सेंसरशिप) के लिए उकसाता है, जो अक्सर सीधे सेंसरशिप से ज्यादा असरदार होता है।

इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट और उससे जुड़े नियम सरकार को कुछ खास हालात में—जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था या संप्रभुता के लिए खतरा होने पर—ऑनलाइन कंटेंट को ब्लॉक करने का अधिकार देते हैं। ये अधिकार खास मामलों में जरूरी हैं। हालाँकि, खास अधिकारों के लिए खास संयम की भी जरूरत होती है। इनका इस्तेमाल सरकारों या सरकारी अधिकारियों को शर्मिंदगी, आलोचना या मजाक से बचाने के लिए नहीं किया जा सकता।

आपत्तिजनक बात और गैर-कानूनी बात के बीच का फर्क बहुत जरूरी है। व्यंग्य अक्सर जान-बूझकर बढ़ा-चढ़ाकर, उकसाने वाला और असहज करने वाला बनाया जाता है। इसका मकसद तथ्य बताना नहीं, बल्कि कटाक्ष और बेतुकेपन के जरिए सोचने पर मजबूर करना होता है। पैरोडी को गलत जानकारी (मिसइन्फॉर्मेशन) समझना—या मजाक को सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा मानना—राजनीतिक व्यंग्य की असल प्रकृति को गलत समझना है।

दिल्ली हाई कोर्ट का दखल एक और उतने ही अहम सिद्धांत को मजबूत करता है: अभिव्यक्ति की आजादी पर असर डालने वाले सरकारी फैसलों की न्यायिक जाँच होनी चाहिए। जब डिजिटल प्लेटफॉर्म या व्यक्तिगत अकाउंट पर पाबंदियाँ लगाई जाती हैं, तो पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया बहुत जरूरी होती है। बिना ज्यादा स्पष्टीकरण के गुप्त आदेश जनता का भरोसा कम करते हैं और नागरिकों के मन में यह सवाल छोड़ जाते हैं कि क्या कंटेंट मॉडरेशन कानून के तहत हो रहा है या राजनीतिक सुविधा के लिए।

इसका मतलब यह नहीं है कि व्यंग्य को पूरी छूट मिली हुई है। मानहानि, हिंसा के लिए उकसाना, नफरत फैलाने वाली बातें (हेट स्पीच) और जान-बूझकर गलत जानकारी फैलाना कानूनी दायरे में आते हैं। लेकिन पाबंदियाँ उचित, सोच-समझकर तय की गई और ठोस वजहों पर आधारित होनी चाहिए। लोकतंत्र सेंसरशिप की सीमा कम करने से मजबूत नहीं होते; वे ज्यादा बोलने की आजादी देने से मजबूत होते हैं, न कि कम बोलने की।

पेज 12 साइकिल टेंडर...राजस्थान का ई-वाउचर मॉडल या...

बघेल का एकता मिशन लड़खड़ाया, पंजाब कांग्रेस के बागियों ने बनाई दूरी

चंडीगढ़/यूटर्न/7 जुलाई। पंजाब में एकजुटता दिखाने की कांग्रेस की कोशिशों को मंगलवार को एक और झटका लगा। पार्टी के कई सीनियर नेता, पंजाब के लिए एआईसीसी के जनरल सेक्रेटरी भूपेश बघेल द्वारा बुलाई गई एक अहम संगठनात्मक मीटिंग से दूर रहे। इससे राज्य इकाई के भीतर बढ़ती गुटबाजी खुलकर सामने आ गई। बघेल 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों का जायजा लेने के लिए पंजाब के पांच दिन के दौरे पर हैं। उन्होंने चंडीगढ़ में पंजाब कांग्रेस मुख्यालय में अलग-अलग चुनाव कमेटियों के प्रमुखों की मीटिंग की अध्यक्षता की। हालांकि, चुनाव अभियान की शुरूआत का संकेत देने के बजाय, इस मीटिंग ने पार्टी के विरोधी गुटों के बीच गहरी होती खाई को उजागर किया।

बागियों ने कार्यक्रमों का किया बहिष्कार

अमरिंदर सिंह-राजा वडिंग विरोधी गुट के प्रमुख नेताओं की गैर-मौजूदगी, बागी नेताओं की मोहाली में हुई मीटिंग के एक दिन बाद देखी गई। खबरों के मुताबिक, बागी नेताओं ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और बघेल की अध्यक्षता वाली मीटिंग का बहिष्कार करने का फैसला किया है, जब तक कि पार्टी आलाकमान राज्य नेतृत्व में बदलाव की उनकी मांग पर ध्यान नहीं देता।

बंटवारे को किया उजागर

मंगलवार की मीटिंग ने संगठन के भीतर दिख रहे बंटवारे को भी उजागर किया। कार्यकारी अध्यक्ष सुखविंदर सिंह डैनी और राज कुमार वेरका ने चर्चा में हिस्सा लिया, जबकि साथी कार्यकारी अध्यक्ष संगत सिंह गिलज़ियां अनुपस्थित रहे। मीटिंग में शामिल होने से पहले, वेरका ने चन्नी से मुलाकात की और बाद में बघेल के साथ नाश्ता किया। इससे संकेत मिलता है कि सार्वजनिक टकराव के बावजूद तनाव कम करने की पर्दे के पीछे की कोशिशें जारी हैं।

एक गुट रणनीति तय करने में लगा

चन्नी, गुरदासपुर के सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मंत्री परगट सिंह और गिलज़ियां वाले बागी गुट ने अपनी रणनीति तय करने के लिए पिछले एक हफ्ते में कई मीटिंग्स की हैं। हालांकि नेता जोर देकर कहते हैं कि उनके अभियान का मकसद कांग्रेस को कमजोर करने के बजाय मजबूत करना है, लेकिन वे आलाकमान पर वडिंग को राज्य प्रमुख बनाए रखने के फैसले पर पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं।

बगावत ने कांग्रेस को मुश्किल में डाला

इस बगावत ने कांग्रेस नेतृत्व को मुश्किल स्थिति में डाल दिया है। वडिंग को हटाने का मतलब बागियों के दबाव के आगे झुकना माना जा सकता है, जबकि मौजूदा स्थिति बनाए रखने से गुटीय लड़ाई के और लंबा खिंचने का खतरा है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब पार्टी अपने संगठन को फिर से खड़ा करने और सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के एक विश्वसनीय विकल्प के तौर पर उभरने की कोशिश कर रही है।

बघेल ने टिप्पणी से किया परहेज

बघेल ने अब तक नेतृत्व विवाद पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से परहेज किया है और कहा है कि उनका दौरा पूरी तरह से पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर केंद्रित है। अपनी यात्रा के दौरान, उनके ज़िला कांग्रेस अध्यक्षों, सहयोगी संगठनों और चुनाव की तैयारियों में लगे नेताओं से बातचीत करने की उम्मीद है। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने एकजुटता की अपील की और पार्टी नेताओं से कहा कि वे आपसी मतभेदों को पंजाब में सत्ता में लौटने के कांग्रेस के बड़े लक्ष्य पर हावी न होने दें।

राम मंदिर चोरी की निष्पक्ष जांच हो, आरोपियों पर हो कड़ी कार्रवाई - डीटीबीए

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार एसोसिएशन की ओर से सेल्स टैक्स कार्यालय में एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कंवल, उपाध्यक्ष चंदर सहगल, सचिव अशोक वढेरा, वित्त सचिव प्रिंस विवेक तथा संयुक्त सचिव सुतीक्षण टंडन सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अध्यक्ष अरुण कंवल ने कहा कि श्री राम मंदिर, अयोध्या में हुई कथित चोरी की घटना से समाज की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में दान को सर्वोच्च पुण्य माना गया है। दान ऐसा होना चाहिए कि एक हाथ से दिया जाए तो दूसरे हाथ को भी इसकी जानकारी न हो। इस अवसर पर उपाध्यक्ष चंदर सहगल, सचिव अशोक वढेरा, वित्त सचिव प्रिंस विवेक, संयुक्त सचिव सुतीक्षण टंडन, ओ.पी. मिगलानी, मनोज बजाज, रूपिंदर दंड, राजेश जग्गी, नरेश गाबा, कारण जोशी, रमनदीप जोशी, युवप्रीत राजपाल, सुनील चावला,मुनीश राजपाल, दुष्यंत विशिष्ठ,अमित शर्मा,दीपक सूद, साकेत गर्ग, दलजीत सिंह पानेसर,अनिल अरोड़ा, मनजीत सिंह, निशु कोचर सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रशासक ने की पब्लिक ट्रांसपोर्ट की समीक्षा, कनेक्टिविटी सुधारने के निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने आज मुख्य सचिव एच.एस राजेश प्रसाद, पंजाब के राज्यपाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव विवेक प्रताप सिंह, वित्त सचिव दीपर्वा लाकड़ा, गृह सचिव मंदीप सिंह बराड़, राज्य परिवहन प्राधिकरण के सचिव नितिश सिंगला, निदेशक परिवहन-सह-मंडलीय प्रबंधक, चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग अविकेश गुप्ता तथा चंडीगढ़ प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर चंडीगढ़ में सार्वजनिक परिवहन तथा ऐप-आधारित परिवहन एग्रीगेटर सेवाओं की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। कुशल, सुलभ और सतत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर बल देते हुए प्रशासक ने अधिकारियों को उच्च मांग वाले मार्गों पर बसों की आवृत्ति बढ़ाने, कम मांग वाले मार्गों पर सेवाओं का युक्तिसंगत पुनर्गठन करने तथा चंडीगढ़, मोहाली, पंचकूला, जीरकपुर और खरड़ सहित ट्राइसिटी क्षेत्र के भीतर बेहतर संपर्क सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पंजाब और हरियाणा के साथ अंतरराज्यीय बस संपर्क को भी सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यात्रा समय में कमी और बेहतर मार्ग नियोजन से अधिक से अधिक लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

काम से जा रही बुजुर्ग महिला की शकी हालातों में मौत

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। भामियां रोड पर काम से जा रही एक बुजुर्ग महिला की शकी हालातों में मौत हो गई। महिला के सिर के पीछे तरफ चोट का निशान है। ऐसे में परिवार द्वारा हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि शायद गिरने के कारण महिला के सिर में चोट लगी है। लेकिन मौके पर थाना जमालपुर की पुलिस पहुंची और लाश को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा होगा। महिला की पहचान भामियां रोड की रेनू देवी(54) के रुप में हुई है। जानकारी के अनुसार रेनू देवी मंगलवार दोपहर किसी काम से जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई।

हादसे से थमी जीरकपुर-पटियाला रोड की रफ्तार, वाहन चालकों को झेलनी पड़ी परेशानी

जीरकपुर/यूटर्न/07 जुलाई। जीरकपुर-पटियाला रोड पर लकी ढाबे के पास सोमवार सुबह हुए सड़क हादसे ने ट्रैफिक व्यवस्था को प्रभावित कर दिया। ट्रक और कार की टक्कर के बाद सड़क पर वाहनों की आवाजाही धीमी पड़ गई और देखते ही देखते लंबा जाम लग गया। हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी व्यक्ति को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जीरकपुर ट्रैफिक पुलिस और एसएसएफ टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाया।

Happy Birthday

Krishiv Dhir

रूह से रूबरू

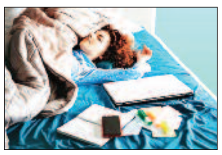

चारू नागपाल

सुबह देर तक सोने वाले युवाओं के सपने ऊँचे पर काम कम होते हैं।

आज के समय में युवा जीवन में बहुत अधिक धन कमाने और सफल बनने का सपना तो देखते हैं। लेकिन केवल बड़े सपने देखना ही पर्याप्त नहीं होता, उन्हें पूरा करने के लिए समय का सही उपयोग और अनुशासित जीवन भी आवश्यक है। जो युवा सुबह देर तक सोते रहते हैं, वे दिन का महत्वपूर्ण समय खो देते हैं। जब तक वे नींद से उठते हैं, तब तक दुनिया का एक बड़ा हिस्सा अपने काम में काफी आगे बढ़ चुका होता है। सुबह का समय व्यायाम, योजना बनाने और नए कार्यों की शुरूआत के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। जल्दी उठने वाले लोग अधिक ऊजार्वान, सक्रिय और समय के पाबंद होते हैं। वे अपने दिन की अच्छी शुरूआत करते हैं और अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ते हैं। इसके विपरीत, देर तक सोने की आदत नैटफलिक्स, ऐमेजोन प्राइम, होट स्टार आदि प्लेटफॉर्म पर ऐपिसोडस देखने में पूरी पूरी रात बिता देते हैं और जब उनके माता पिता के फोन में सुबह उठने का अलार्म बजता है तब वे सो जाते हैं। यह आदत आलस्य बढ़ाती है, समय की बबार्दी करती है और सफलता की राह में बाधा बन सकती है। बस यही कारण है कि पहले के दशकों में जन्मे उनके माता पिता के मुकाबले में इन युवाओं में ऊर्जा की कमी होती है और वे थोड़ा काम करके भी थक जाते हैं हालांकि इनका दिमाग पुराने लोगों के मुकाबले अधिक सफल योजनाएँ बनाता है पर उन योजनाओं को अमल करने के लिए जिस श्रम की जरूरत चाहिए उसके अभाव के कारण बस ये युवा योजना बनाने तक ही सीमित रह जाते हैं और कुछ बड़ा न कर दिखा पाने के कारण असफलता के गम को छिपाने के लिए विभिन्न नशों की लत में पड़ जाते हैं। इसलिए युवाओं को चाहिए कि वे जल्दी सोने और सुबह जल्दी उठने की आदत विकसित करें। नियमित दिनचर्या, मेहनत और समय का सदुपयोग ही सफलता और आर्थिक समृद्धि की कुंजी है। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है, वही जीवन में अपने सपनों को साकार कर पाता है।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा ने सभी समुदाय के लोगों को एकजुट होने का दिया संदेश : एडवोकेट विपन सग्गड़

जिला बार संघ लगाएगा विशाल स्वागती मंच : एडवोकेट हिमांशु वालिया

लुधियाना/यूटर्न/07 जुलाई। रथयात्राओं की शुरूआत 1996 से हुई, जब पूरा विश्व इस्कॉन के संस्थापक आचार्य ए.सी. भक्ति वेदात श्रील प्रभुपाद की जन्म शताब्दी मना रहा था, तभी लुधियाना को भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के रूप में इस्कॉन ने अनुपम व अनूठा खजाना दिया। तब से आज तक निरंतर हजारों सेवक इस रथयात्रा से जुड़े हुए हैं। उपरोक्त शब्दों का प्रगटावा जिला बार संघ के प्रधान विपन सग्गड़ ने जगन्नाथ सेवकों के साथ विशेष बैठक में कहे। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महानगर को हरिनाम संकीर्तन, विशाल भंडारे, छप्पन भोग एवं सर्वशक्तिमान के दर्शनों से जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं इस रथयात्रा से पिछले कई वर्षो से जुडे.हैं व इस बार भी पूरी निष्ठा से सेवा करेंगे। जो आनंद एंव हरिनाम संकीर्तन की पराकाष्ठा को भगवान रथयात्रा छूती है, वो अतुलनीय है। एसोसिएशन के सैक्रेटरी एडवोकेट हिमांशु वालिया ने बताया कि डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन की ओर से रथयात्रा के स्वागत के लिए विशाल स्वागती मंच लुधियाना क्लब के सामने, रखबाग के बाहर लगाया जाएगा। शाम 5 बजे एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य अपने परिजनों संग भगवान जगन्नाथ जी की आरती कर आशीर्वाद लेंगे और रथयात्रा का भव्य स्वागत करते हुए श्रद्धालुओं में प्रशाद वितरित करेंगे। इस अवसर पर कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा, प्रधान सतीश गुप्ता, महासचिव संजीव सूद बांका, सचिव अनिल सलूजा ने कहा कि 16 जुलाई को निकलने वाली रथयात्रा का प्रचार-प्रसार जोरों पर चल रहा है। रथयात्रा वाले दिन वैष्णव भक्तों के साथ महानगर वासियों को भगवान जगन्नाथ के दिव्य दर्शन होंगे। इस मौके एसोसिएशन के वाइस प्रधान गगन बेदी, जॉइंट सैक्रेटरी रचिन सोनी, विजय बी वर्मा, चेतन वर्मा, रोबिन सिद्धू, जतिंदर पाल सिंह जीती, हरिसमर चड्ढा, सन्नी शर्मा, किन भल्ला, राजेश संधू, रविंदर पाल अरोड़ा, मुनीष मान, मुकेश सुयाल, गगनदीप सिंह सुनील दत्त, शिव पाल, विकास गुप्ता, गुरबख्शीश बेदी, मनिंदर हीर, मोहित गोयल, राहुल शर्मा, चरणप्रीत सिंह आदि उपस्थित थे।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या Court Divorce से पहले Mediationके लिए भेज सकती है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

तलाक के मामलों में बहुत से लोग यह सोचते हैं कि Divorce Petitionदाखिल होते ही अदालत सीधे फैसला सुनाना शुरू कर देती है। लेकिन व्यवहार में ऐसा हमेशा नहीं होता।

Family Court का उद्देश्य केवल तलाक देना नहीं, बल्कि जहां संभव हो, पति-पत्नी के बीच विवाद को बातचीत से सुलझाने का प्रयास करना भी होता है। इसी कारण, कई मामलों में अदालत पक्षकारों को Mediation Centre भेजती है। Mediation एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें एक निष्पक्ष Mediator दोनों पक्षों से बातचीत कर उन्हें आपसी सहमति से समाधान तक पहुंचाने का प्रयास करता है।

यदि Mediation सफल हो जाती है, तो कई विवाद बिना लंबी अदालत की कार्यवाही के समाप्त हो सकते हैं। यदि समझौता नहीं होता, तो मामला पुन: अदालत में सुनवाई के लिए आगे बढ़ता है। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि Mediation में समझौता करना किसी भी पक्ष के लिए अनिवार्य नहीं है। यदि कोई पक्ष अपनी इच्छा से समझौता नहीं करना चाहता, तो उस पर दबाव नहीं डाला जा सकता। हालांकि, जहां घरेलू हिंसा, गंभीर क्रूरता या अन्य गंभीर आरोप हों, वहां अदालत प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेती है कि Mediation उपयुक्त होगी या नहीं।

कई लोग Mediation को केवल औपचारिकता समझते हैं, जबकि वास्तव में अनेक पारिवारिक विवाद इसी प्रक्रिया के माध्यम से सुलझ जाते हैं।

निष्कर्ष : Family Court कई Divorce मामलों में पहले Mediation का अवसर देती है। इसका उद्देश्य विवाह बचाना नहीं, बल्कि यदि संभव हो तो विवाद का शांतिपूर्ण और सम्मानजनक समाधान निकालना होता है।

नोबल फाउंडेशन संस्था की ओर से DMCH के सहयोग से नि:शुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन

लुधियाना/यूटर्न/07 जुलाई। यह मेडिकल कैंप दिनांक 7 जुलाई 2026, दिन मंगलवार को नोबल फाउंडेशन संस्था की ब्रांच, गली नंबर 1, कर्तार नगर, लुधियाना में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री सुनील यादव जी (IRS, कमिश्नर इनकम टैक्स अपील्स, लुधियाना) एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री राजीव कौशल जी (B.Com, FCA, प्रधान, डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार एसोसिएशन, डायरेक्ट टैक्सेज, लुधियाना) द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर श्री 1008 महामंडलेश्वर श्री महंत रामेश्वर दास त्यागी जी महाराज, (अखिल भारतीय श्री पंच दिगंबर अणि अखाड़ा, अनंत श्री विभूषित, श्री ठाकुर द्वारा पीठाधीश्वर) ने अपने आशीर्वचन में कहा कि मैं सभी लोगों का अभिवादन करता हूँ जो अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर इस मेडिकल कैंप में पहुंचे हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अनिल नैयर (प्रेसिडेंट सिल्वर समाज सेवा सोसाइटी), सी.एस हरदीप सिंह निगहर (एक्स चेयरमैन 2020, लुधियाना), श्रीमती अर्चना शर्मा (चार्टर्ड अकाउंटेंट), श्रीमती विधि सिंगल, (मेंबर WND), श्रीमती शबाना गुप्ता, (मेंबर WND) एवं श्री विक्रम व्यास (पदाधिकारी नोबल फाउंडेशन) उपस्थित रहे।

साउथ सिटी स्थित पुष्प वाटिका में साप्ताहिक श्रीराम कथा में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

डीसी जैन ने किया कथा का श्रवण

लुधियाना/यूटर्न/07 जुलाई। साउथ सिटी, लुधियाना के कार्टन वुड स्थित कारोबारी राजीव गर्ग के निवास पुष्प वाटिका में आयोजित साप्ताहिक श्रीराम कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच कर कथा श्रवण कर रहे हैं। भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर कथा में श्रद्धालु भगवान श्रीराम के जीवन आदर्शों से प्रेरणा ले रहे हैं। कथा स्थल पर भजन-कीर्तन और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

कथा वाचक श्रद्धालुओं को श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, सेवा, त्याग और भक्ति का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि सच्ची भक्ति, विनम्रता और सरल स्वभाव से भी प्रभु की कृपा प्राप्त होती है। कलियुग में प्रभु के नाम का स्मरण, सत्संग और ध्यान ही जीवन को सफल बनाने का सबसे सरल मार्ग है। कथा में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जा रहा है, जिसे सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो रहे हैं। आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

आयोजकों ने बताया कि सप्ताह भर चलने वाली इस श्रीराम कथा का समापन धार्मिक अनुष्ठानों, भजन-कीर्तन, आरती और प्रसाद वितरण के साथ होगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित कथा में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की। छठे दिन डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन , एस्ट्रॉलोजर रचना शर्मा सहित असंख्य गणमान्यों ने कथा का आनद लिया।

अंक और नौकरी तक सीमित नहीं शिक्षा का उद्देश्य

लुधियाना/यूटर्न/07 जुलाई। 21वीं सदी में शिक्षा की जिम्मेदारी केवल विद्यार्थियों को परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने या रोजगार के योग्य बनाने तक सीमित नहीं रह गई है। एमजीएम पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रंजना कौशल का मानना है कि आज शिक्षा का उद्देश्य ऐसे जिम्मेदार नागरिक तैयार करना है, जो ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों से भी समृद्ध हों। उन्होंने कहा कि आज की जनरेशन-जेड तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ डिजिटल साक्षरता, प्रभावी संवाद कौशल, वित्तीय समझ, तकनीकी दक्षता और उद्यमिता जैसे आधुनिक कौशल प्रदान करना समय की आवश्यकता है। इससे वे

बदलती दुनिया की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकेंगे।

रंजना कौशल ने कहा कि शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष चरित्र निर्माण है। विद्यार्थियों में ईमानदारी, अनुशासन, सहानुभूति, जिम्मेदारी, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध जैसे मूल्यों का विकास होना आवश्यक है। यही मूल्य उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि नशाखोरी, साइबर ठगी, हिंसा और बढ़ते अपराध जैसी सामाजिक बुराइयां युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही हैं। ऐसे समय में शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जो युवाओं को सकारात्मक सोच, सही दिशा और उद्देश्यपूर्ण जीवन का मार्ग दिखा सकती है। उनका कहना है कि वास्तविक शिक्षा वही है, जो विद्यार्थियों को केवल सफल नहीं, बल्कि संवेदनशील, जागरूक और बेहतर इंसान भी बनाए।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर चुम्मेवाली भाभी पर पर्चा दर्ज, अश्लील कंटेंट फैला भावनाएं आहत करने का आरोप

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर रणजीत कौर भाभी चुम्मेवाली और उनके पति जिंदा हंस के खिलाफ सोशल मीडिया पर अश्लीलता फैलाकर भावनाएं आहत करने के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई की है। थाना मोती नगर की पुलिस ने निहंग मनप्रीत सिंह खालसा की शिकायत पर शेरपुर की रणजीत कौर और उसके पति जिंदा हंस के खिलआफ मामला दर्ज किया है। निहंग मनप्रीत सिंह का आरोप है कि रंजीत कौर सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट अपलोड कर रही है। जिसका नेगेटिव असर समाज पर पड़ रहा है। एसएचओ मोती नगर भूपिंदर सिंह ने कहा कि एफआईआर में लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी और उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाभी ने निहंग सिंह को दी धमकी

उधर, भाभी चुम्मेवाली ने भी निहंग सिंह मनप्रीत सिंह को खुली धमकी दी है कि उनके खिलाफ भी कई सबूत उनके पास आ गए हैं और कुछ सबूत आने वाले हैं। वो जल्दी ही सारे सबूत मीडिया के सामने रखकर उनके कारनामों को उजागर करेंगे।

घर से ग्रेजुएशन डिग्री लेने यूनिवर्सिटी गई महिला लापता, पुलिस ने किया मामला दर्ज

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। डाबा इलाके में ग्रेजुएशन की डिग्री लेने के लिए घर से निकली एक महिला अचानक लापता हो गई। पति को आशंका है कि उसे किसी व्यक्ति ने निजी स्वार्थ के लिए छिपाकर रखा है। महिला की पहचान पूजा (30) के रुप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना डाबा की पुलिस ने रमेश कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार पूजा घर से इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी(इग्नो) रिजनल सेंटर खन्ना से अपनी ग्रेजुएशन की डिग्री लेने के लिए निकलती थी। लेकिन वह घर वापिस नहीं आई तो परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की। पति रमेश का आरोप है कि उसने पुलिस को शिकायत दी। लेकिन पुलिस ने सात दिन तक उसकी सुनवाई नहीं की। आखिर कई चक्कर लगाने के बाद पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज की गई है।

पूजा रानी

दो बच्चों की मां है पूजा... पति रमेश ने बताया कि पूजा के दो बच्चे हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। रमेश कुमार मुताबिक उन दोनों के बीच कोई विवाद नहीं था, सब कुछ सही चल रहा था। वह खन्ना इग्नू सेंटर भी होकर आया, लेकिन वहां पता चला कि पूजा वहां पहुंची ही नहीं थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नशीली गोलियों के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, पर्चा

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/जुलाई। क्षेत्र में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अलग-अलग मामलों में पुलिस ने तीन आरोपियों को भारी मात्रा में नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है।

मामलों का विवरण इस प्रकार है:

01. थाना जोधा: एएसआई जसपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस पार्टी ने गश्त के दौरान गुरदीप सिंह पुत्र रमिंदर सिंह निवासी मुल्लांपुर को 12 नशीली गोलियों के साथ काबू किया है।

02.थाना दाखा: एएसआई कुलदीप सिंह की टीम ने मनोज कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी मुल्लांपुर से 8 नशीली गोलियां बरामद कीं।

03.थाना जगरांव: एएसआई मनोहर लाल ने पलविंदर सिंह उर्फ रवि पुत्र हरनेक सिंह निवासी गांव भीमपुरा कलां को 21 नशीली गोलियों के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मामले दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

वड़िंग के नेतृत्व में पंजाब में कांग्रेस वापसी करेगी: पवन दीवान

लुधियाना/यूटर्न/07 जुलाई। पंजाब कांग्रेस के पूर्व महासचिव एवं पंजाब लार्ज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन पवन दीवान ने पंजाब कांग्रेस भवन में दोबारा पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नियुक्त किए गए अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को सम्मानित किया। दीवान ने वड़िंग को फूलों का गुलदस्ता और उनका विशेष चित्र भेंट किया। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल का भी स्वागत किया। बघेल से

मुलाकात के दौरान दीवान ने कहा कि पूरा कांग्रेस संगठन राजा वड़िंग के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने दावा किया कि वड़िंग के नेतृत्व में कांग्रेस 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करेगी और आम आदमी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

दीवान ने कहा कि वड़िंग ऊर्जावान, मेहनती और राजनीतिक समझ रखने वाले नेता हैं। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन पर दोबारा भरोसा जताया है।

मीडिया से बातचीत में दीवान ने कहा कि लोग आप सरकार से तंग आ चुके हैं और कांग्रेस कार्यकर्ता चुनावों के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर सतबीर सिंह पल्लीझिक्की, संजीव बिट्टू, कस्तूरी लाल मिंटू, इंदरजीत कपूर, रोहित पाहवा सहित कई समर्थक मौजूद रहे।

जीरकपुर के 100 गार्बेज कलेक्टर ट्रेड यूनियन से जुड़े

जितेंद्र पुहाल बने गार्बेज कलेक्टर यूनियन के अध्यक्ष, कर्मचारियों के अधिकारों के लिए संगठित हुई नई कार्यकारिणी

जीरकपुर/यूटर्न/07 जुलाई। जीरकपुर में डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्टर कर्मचारियों ने अपने अधिकारों की आवाज मजबूत करने के लिए ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन का दामन थाम लिया। मंगलवार को आयोजित बैठक में करीब 100 गार्बेज कलेक्टर कर्मचारियों ने यूनियन की सदस्यता ग्रहण की और नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

चुनाव ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन पंजाब के उपाध्यक्ष विनोद चुग और नगर परिषद जीरकपुर यूनियन अध्यक्ष प्रदीप कुमार सूद की मौजूदगी में सर्वसम्मति से हुए। इसमें जितेंद्र पुहाल को अध्यक्ष, रविंद्र को महासचिव, अजय कांगड़ा को कोषाध्यक्ष, बलकार को उपाध्यक्ष, शमशेर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बजिंदर सिंह को संयुक्त सचिव, सतवीर बिड़लॉन को एजेंडा सचिव, राजेश पुहाल को प्रेस सचिव, जगविंदर को सलाहकार, विनोद चुग को कानूनी सलाहकार और सोनू को ऑडिटर चुना गया। विनोद चुग ने कहा कि यूनियन कर्मचारियों की समस्याओं को प्रशासन और संबंधित विभागों तक मजबूती से पहुंचाएगी। प्रदीप कुमार सूद ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए कहा कि संगठित प्रयासों से ही कर्मचारियों के हित सुरक्षित किए जा सकते हैं। बैठक में रविंद्र पाल सिंह, कुलवंत सिंह सैनी, गोपाल थापर, अजीत सिंह, बलविंदर सिंह, कुलदीप सिंह, सतीश भाटली, सूरज, अनिल कुमार, संतरेश कुमार, रवि सूद, सुरेश कुमार और प्रदीप सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

जीरकपुर में जलभराव की जड़ पर एनएचएआई की चोट

जीरकपुर/यूटर्न/07 जुलाई। हर मानसून में जलभराव और ट्रैफिक जाम से जूझने वाले जीरकपुर में अब समस्या के मूल कारणों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बनी बरसाती नालियों से जुड़े अवैध सीवरेज कनेक्शनों को हटाने के लिए भारी मशीनरी के साथ अभियान शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार, कई रिहायशी और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों ने नियमों के खिलाफ अपने सीवरेज कनेक्शन हाईवे की बरसाती नालियों से जोड़ रखे थे। इससे नालों में गंदगी, सिल्ट और ठोस कचरा जमा होता गया और उनकी पानी निकालने की क्षमता लगातार घटती गई।

सड़क पर धधक उठी कबाड़ से लदी जुगाड़ू रेहड़ी, लोगों में मची अफरा-तफरी

सीखो पैलेस के सामने चलते वाहन में लगी आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

जीरकपुर/यूटर्न/07 जुलाई। व्यस्त जीरकपुर-पंचकूला मार्ग पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सीखो पैलेस के सामने कबाड़ से लदी एक जुगाड़ू रेहड़ी चलते-चलते आग की चपेट में आ गई। देखते ही देखते ईंधन टंकी से लपटें उठने लगीं। सड़क पर मौजूद लोगों ने तुरंत दूरी बना ली, जबकि चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते टंकी को वाहन से अलग कर दिया। इससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जुगाड़ू रेहड़ी पंचकूला से जीरकपुर की ओर आ रही थी। अचानक वाहन की टंकी में आग लग गई, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर दहशत का माहौल बन गया। आसपास मौजूद लोगों ने भी चालक की मदद करते हुए आग बुझाने का प्रयास किया और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। रेहड़ी चालक ने बताया कि यदि उसने तुरंत टंकी को बाहर नहीं निकाला होता तो आग पूरे वाहन में फैल सकती थी। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जबकि वाहन को मामूली नुकसान पहुंचा। प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह तकनीकी खराबी या ईंधन रिसाव मानी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यस्त सड़क पर इस तरह की घटना से कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। राहत की बात रही कि समय रहते स्थिति नियंत्रण में आने से किसी राहगीर या अन्य वाहन को नुकसान नहीं पहुंचा।

पंजाब की सभी बार एसोसिएशनों का सात जुलाई से नो वर्क डे घोषित, एलएडीसी में सुधार की मांग

लुधियाना/यूटर्न/7 जुलाई। पंजाब की सभी बार एसोसिएशन की ओर से 7 जुलाई से नो वर्किंग डे की घोषणा की है। यानि कि अब अदालतों में वकील किसी भी केस में पेश नहीं होंगे। इस संबंध में जिला बार एसोसिएशन लुधियाना के प्रधान विपिन सग्गड़ की अध्यक्षता में बार एसोसिएशन की कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद कार्यकारी समिति ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया कि बार एसोसिएशन लुधियाना, पंजाब बार एसोसिएशनों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) द्वारा लिए गए निर्णयों का पूर्ण समर्थन करेगी और उन्हें लागू करेगी। बैठक में यह उल्लेख किया गया कि पंजाब बार एसोसिएशनों की जेएसी की 29 जून को हुई वर्चुअल बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि माननीय भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसल (एलएडीसी) नीति की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की गई थी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद माननीय भारत के मुख्य न्यायाधीश कार्यालय की ओर से अभी तक कोई रिपोर्ट या निर्णय जारी नहीं किया गया है। यह भी बताया गया कि पंजाब बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के दौरान माननीय भारत के मुख्य न्यायाधीश ने स्वीकार किया था कि वर्तमान एलएडीसी नीति में कई कमियां हैं और इसमें पुनर्विचार की आवश्यकता है। पंजाब बार एसोसिएशनों ने जोरदार मांग की है कि वर्तमान एलएडीसी व्यवस्था को समाप्त किया जाए, क्योंकि यह व्यवस्था हेरफेर वाली, अप्रभावी, दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की संभावना से प्रभावित हो गई है तथा इससे अधिवक्ताओं की पेशेवर स्वतंत्रता और उनके वैध हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इन सभी चिंताओं को दर्शाते हुए एक विस्तृत ज्ञापन पहले ही माननीय भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है। जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती, तब तक नो वर्किंग डे रहेगा।

पूर्व डिप्टी मेयर अनिल दुबे के जन्मदिवस पर लगा रक्तदान शिविर, 121 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

सुंदरनगर सामुदायिक केंद्र में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने किया रक्तदान, कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई। चंडीगढ़ के पूर्व डिप्टी मेयर एवं पूर्वांचल समाज के नेता अनिल कुमार दुबे के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को सुंदरनगर स्थित सामुदायिक केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रौनक सेवा फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस तीसरे रक्तदान शिविर में 121 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और स्थानीय लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर भागीदारी निभाई। आयोजन का उद्देश्य जन्मदिवस को समाज सेवा से जोड़ते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने का संदेश देना था। रक्त संग्रहण की प्रक्रिया सेक्टर-16 स्थित सरकारी अस्पताल की मेडिकल टीम की देखरेख में संपन्न हुई। शिविर के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सभी आवश्यक मानकों का पालन किया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा, मेयर सौरभ जोशी, नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, डीएसपी राम गोपाल, डिप्टी मेयर सुमन शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह बबला, भरत कुमार, इंस्पेक्टर रोहतास यादव, जिला अध्यक्ष रविंद्र मलिक, रेखा सूद, लीलाधर स्वामी, मृणाल यादव, चंद्रमा मिश्रा, महेंद्र नाथ दुबे, धनंजय सिंह, अरविंद दुबे, मनु भसीन, हरिश शर्मा, भाजपा नेता विजय राणा, युवा मोर्चा के अभय झा, महामंत्री अंकुर राणा सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और नियमित रक्तदान के महत्व पर बल दिया। अनिल कुमार दुबे ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों और आयोजन से जुड़े स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम है और समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य से जुड़ना चाहिए। आयोजन को सफल बनाने में भरत शाह, सोनी गोयल (हरियाणा मार्बल), रमन गैस एजेंसी के रमन, मनीष दुबे, ओमप्रकाश यादव, शानू दुबे, ओमपाल ठाकुर, विजय खरवार तथा अन्य स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नन्हे कलाकारों का अद्भुत हुनर: जीएचजी अकादमी में क्ले मॉडलिंग वर्कशॉप ने बिखेरे रंग

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/जुलाई। जी.एच.जी. अकादमी, जगरांव में हाल ही में कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष 'क्ले मॉडलिंग गतिविधि' का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक कार्यशाला ने न केवल बच्चों के हाथों में मिट्टी से जादू करने का हुनर भरा, बल्कि उनकी कल्पनाशक्ति को नई उड़ान भी दी।

रचनात्मकता और कौशल का संगम...इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के सूक्ष्म मोटर कौशल (Fine Motor Skills) और रचनात्मक सोच को निखारना था। कार्यशाला की शुरूआत में शिक्षकों ने बच्चों को मिट्टी को आकार देने, जोड़ने और उन्हें मनचाही आकृति में ढालने की बारीकियां सिखाईं। इसके बाद, नन्हे हाथों ने रंग-बिरंगी क्ले और कार्डबोर्ड की मदद से फल, फूल, पशु-पक्षी और कई काल्पनिक आकृतियों को जीवंत कर दिया।

सीखने का आनंद और एकाग्रता...कक्षा में एक अद्भुत ऊर्जा का माहौल था। क्ले मॉडलिंग के जरिए बच्चों ने न केवल अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित किया, बल्कि एकाग्रता और धैर्य का भी उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। हर बच्चे के चेहरे पर अपनी बनाई कृति को देखकर जो मुस्कान थी, वह इस गतिविधि की सफलता की सबसे बड़ी गवाह बनी।

विद्यालय की प्रिंसिपल, रामनजोत कौर ग्रेवाल ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा: 'जी.एच.जी. अकादमी में हमारा ध्येय केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी अनुभवात्मक गतिविधियों के जरिए अपनी प्रतिभा को पहचानें। क्ले मॉडलिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियां न केवल बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती हैं।' उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि विद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और कलात्मक विकास के लिए ऐसे ही प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए न केवल एक खेल था, बल्कि उनके भविष्य में एक रचनात्मक नींव रखने जैसा अनुभव भी रहा।

सीरिया में धमाके से बाल-बाल बचे फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों

चंडीगढ़/यूटर्न/7 जुलाई। मंगलवार को मध्य दमिश्क में दो धमाके हुए। ये धमाके उस होटल के पास हुए जहाँ फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सीरिया की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान ठहरे हुए थे। इन धमाकों में कम से कम 18 लोग घायल हो गए और इससे देश के नए नेतृत्व के सामने सुरक्षा की नाजुक स्थिति का पता चलता है।

ये धमाके फोर सीजन्स होटल के पास तब हुए जब मैक्रों सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शारा के साथ बातचीत करने के लिए राष्ट्रपति भवन के लिए निकल चुके थे। सीरियाई अधिकारियों ने कहा कि फ्रांसीसी नेता को कोई खतरा नहीं था क्योंकि धमाके उनकी यात्रा के लिए बनाई गई सुरक्षा घेराबंदी के बाहर हुए थे। मैक्रों ने अपने तय कार्यक्रम के अनुसार अपनी गतिविधियाँ जारी रखीं।

आईईडी में हुआ धमाका

सीरियाई अधिकारियों के अनुसार, होटल के पास एक भीड़-भाड़ वाले इलाके में दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में धमाका हुआ; एक धमाका खड़ी गाड़ी में छिपाए गए बम से हुआ और दूसरा सड़क किनारे रखे कूड़ेदान में रखे बम से। दूसरा धमाका तब हुआ जब आपातकालीन सेवाएँ देने वाले कर्मचारी घटनास्थल पर पहुँचे। पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 18 लोग घायल हो गए। तुरंत किसी की मौत की खबर नहीं मिली और किसी भी समूह ने हमले की ज़िम्मेदारी नहीं ली। मामले की जाँच शुरू कर दी गई है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो

सोशल मीडिया पर चल रहे टेलीविजन फुटेज और वीडियो में मध्य दमिश्क के ऊपर धुएँ के गुबार उठते, एक गाड़ी में आग लगी हुई और सड़क पर टूटे हुए शीशे बिखरे हुए दिखाई दिए। ये धमाके सीरिया की राजधानी में हुए एक और घातक बम धमाके के कुछ दिनों बाद हुए हैं, जो नई सरकार द्वारा स्थिरता बहाल करने की कोशिशों के बावजूद देश के सामने लगातार बने हुए सुरक्षा खतरों को उजागर करते हैं।

पश्चिमी नेता की सीरिया की पहली यात्रा

मैक्रों की यह यात्रा 2024 के अंत में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के तख्तापलट के बाद से किसी बड़े पश्चिमी नेता की सीरिया की पहली यात्रा है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति अहमद अल-शारा के नेतृत्व वाली सरकार के साथ राजनयिक संबंध मजबूत करना चाहते हैं और साथ ही एक दशक से ज्यादा समय तक चले गृहयुद्ध के बाद राजनीतिक सुलह, आर्थिक सुधार और पुनर्निर्माण को बढ़ावा देना चाहते हैं।

फ़्रांस के समर्थन को दोहराया

सीरियाई नेताओं के साथ अपनी बैठकों के दौरान, मैक्रों ने एक संप्रभु, समावेशी और शांतिपूर्ण सीरिया के लिए फ़्रांस के समर्थन को दोहराया। उनके प्रतिनिधिमंडल में व्यापारिक प्रतिनिधि भी शामिल हैं, जो देश के पुनर्निर्माण में भाग लेने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने में फ़्रांस की दिलचस्पी को दर्शाता है, क्योंकि पश्चिमी सरकारें धीरे-धीरे दमिश्क के साथ फिर से जुड़ रही हैं।

जमीन हड़पने का विवाद : ट्रैक्टर से फसल नष्ट करने और कब्जा करने के आरोप में मामला दर्ज

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/जुलाई। जमीन के बंटवारे को लेकर एक गंभीर विवाद सामने आया है। पुलिस ने जमीन पर जबरन कब्जा करने की नियत से खड़ी फसल को नष्ट करने के आरोप में एक ही परिवार के सदस्यों और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

क्या है पूरा मामला ?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता हरपिंदर सिंह ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2020 में उनके पिता के निधन के बाद, पारिवारिक सहमति से 6 किल्ले जमीन का बंटवारा हुआ था, जिसमें 3-3 किल्ले जमीन शिकायतकर्ता और उनके भाई करमजीत सिंह के हिस्से में आई थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके भाई करमजीत सिंह ने पिता की मृत्यु के बाद दस्तावेजों में हेराफेरी कर उक्त 6 किल्ले जमीन को धोखे से अपने और अपनी माता के नाम करवा लिया।

खड़ी फसल को किया बर्बाद

मामला तब और गंभीर हो गया जब 4 और 5 जुलाई की दरमियानी रात को करमजीत सिंह, उसके पुत्रों (अरशददीप सिंह और पवनदीप सिंह) और अन्य अज्ञात लोगों ने ट्रैक्टरों का इस्तेमाल कर शिकायतकर्ता द्वारा बोई गई बाजरे की फसल को नष्ट कर दिया। आरोप है कि उन्होंने लगभग पौने दो किल्ले की फसल और 10 किल्ले में लगी धान की पनीरी को जोतकर उस पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया।

पुलिस कार्रवाई

सदर जगरूप पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। एएसआई सुरिंदर सिंह ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रणजीत सिंह फल्लेवाल भारतीय जनता पार्टी (जोधा मंडल) के अध्यक्ष नियुक्त

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/जुलाई।भारतीय जनता पार्टी, जगरांव जिले के जोधा मंडल का अध्यक्ष रणजीत सिंह फल्लेवाल को नियुक्त किए जाने पर उनका सम्मान किया गया। भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा ने बताया कि पार्टी आलाकमान की सहमति और जिला महासचिव प्रदीप जंड की प्रेरणा से रणजीत सिंह फल्लेवाल को जोधन सर्कल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी को उनसे बहुत उम्मीदें हैं कि वे पार्टी की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत से काम करेंगे।

जगरांव स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा और उनकी टीम द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष रणजीत सिंह फल्लेवाल को सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे: जिला महासचिव सुमित अरोड़ा, प्रदीप जंड, सर्कल अध्यक्ष नवनीत गुप्ता, गौरव गुप्ता, राजपाल जैन, सुरेश गर्ग, कमल देव, रजनीश कुमार, राजू शर्मा, हरदीप सिंह पप्पा (काउंके कलां), राजन अरोड़ा, रणजीत सिंह फल्लेवाल, अमनदीप सिंह, करमजीत सिंह, हरमिंदर सिंह, निर्भय सिंह, जीवन सिंह, जगजीत सिंह, अमरिंदर सिंह और लखवीर सिंह (कोठे राहलां) आदि उपस्थित थे।

अदालत के 'स्टेटस को' आदेशों की अवहेलना, मुल्लापुर दाखा में जमीन विवाद को लेकर मामला दर्ज

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/जुलाई। लुधियाना-फिरोजपुर मुख्य मार्ग पर स्थित मुल्लापुर दाखा के जीटी रोड क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। अदालत द्वारा संपत्ति पर 'स्टेटस को' (यथास्थिति) बनाए रखने के स्पष्ट आदेशों के बावजूद, दूसरे पक्ष द्वारा कथित तौर पर जबरन कब्जा करने और मारपीट करने की घटना ने क्षेत्र में तनाव पैदा कर दिया है।

क्या है पूरा मामला ?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विवाद मुल्लापुर दाखा स्थित जीटी रोड की एक महत्वपूर्ण संपत्ति से जुड़ा है। मामले में सिविल जज (जूनियर डिवीजन), लुधियाना की अदालत ने 20 फरवरी को संपत्ति पर यथास्थिति (Status Quo) बनाए रखने के आदेश पारित किए थे। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि अदालत के इन निर्देशों को दरकिनार करते हुए विपक्षी पक्ष ने संपत्ति पर अनुचित हस्तक्षेप किया।

आरोप और पुलिस कार्रवाई

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विपक्षी पक्ष ने न केवल कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाई, बल्कि मौके पर पहुंचकर पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट भी की। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नवीन अग्रवाल पुत्र विनोद अग्रवाल, लक्ष्य अग्रवाल पुत्र नवनीत अग्रवाल, लखबीर सिंह लक्खा पुत्र लाल सिंह निवासी गांव बड़ैच चार-पांच अनजान व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया है।

जांच जारी

पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्यों को जुटा रही है। एएसआई, जो इस मामले के जांच अधिकारी हैं, ने बताया कि घटना से संबंधित सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्य के दौरान बवाल, सरपंच और ग्रामीण आमने-सामने

रेत हटाने की बात पर बढ़ा विवाद, मारपीट के आरोप; पुलिस जांच में जुटी

डेराबस्सी/यूटर्न/07 जुलाई। डेराबस्सी के गांव मालण में पंचायत के विकास कार्य के दौरान सड़क पर डाली गई रेत को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। घटना में एक ग्रामीण घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल डेराबस्सी में भर्ती कराया गया है। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

घायल घनश्याम ने आरोप लगाया कि पंचायत द्वारा चल रहे विकास कार्य के दौरान उसके घर जाने वाली संकरी गली में रेत डाल दी गई थी, जिससे परिवार का आवागमन प्रभावित हो गया। उसने केवल रास्ता खुलवाने के लिए रेत एक तरफ हटाने की मांग की थी। आरोप है कि इसी बात को लेकर गांव के सरपंच और एक पंच उसके घर पहुंचे, जहां कहासुनी के बाद उसके साथ मारपीट की गई। घटना में उसे चोटें आईं और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। दूसरी ओर, गांव के सरपंच रविंदर सिंह ने सभी आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि घनश्याम ने पंचायत के विकास कार्य में बाधा डाली और पंचायत प्रतिनिधियों को धमकियां दीं। उन्होंने कहा कि पंचायत का कार्य नियमानुसार कराया जा रहा था।

हंडेसरा थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच विवाद और हाथापाई की घटना सामने आई है। मौके से जुड़े वीडियो भी पुलिस के पास पहुंचे हैं। दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और सभी तथ्यों की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो भी जांच का हिस्सा

पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो की भी जांच की जा रही है। वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाया जाएगा।

खेलते खेलते गई किशोर की जान: पार्क में दोस्तों पर गला दबाने का आरोप

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई। शहर के मौलीजागरां पार्ट-2 स्थित सुंदर नगर में सोमवार रात 11 बजे एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। घर के पीछे पार्क में दोस्तों के साथ खेलने गया 15 वर्षीय किशोर कुछ ही देर बाद बेहोशी की हालत में मिला और अस्पताल पहुंचने से पहले उसकी जिंदगी खत्म हो गई। परिजनों का आरोप है कि खेल के दौरान हुए विवाद में साथ खेल रहे हमउम्र बच्चों ने दो बार उसका गला दबाया और गले पर कई मुक्के मारे, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस अभी किसी

निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है और मौत के वास्तविक कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब 11 बजे किशोर अपने घर के पीछे स्थित पार्क में तीन-चार बच्चों के साथ खेल रहा था। प्रत्यक्ष जानकारी के मुताबिक खेल के दौरान किसी बात को लेकर बच्चों के बीच कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में धक्का-मुक्की में बदल गई। इसी दौरान किशोर अचानक जमीन पर गिर पड़ा। परिजनों का आरोप है कि साथ खेल रहे बच्चों ने उसका गला दबाया और गले पर वार किए, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर हो गई।

परिजन तुरंत उसे सेक्टर-16 स्थित सरकारी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलते ही मौलीजागरां थाना पुलिस मौके पर सक्रिय हो गई और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी जसकरण सिंह, नॉर्थ-ईस्ट डिवीजन के डीएसपी राम गोपाल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने भी पार्क का बारीकी से निरीक्षण कर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस घटना के समय पार्क में मौजूद बच्चों, स्थानीय लोगों और अन्य संभावित प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है ताकि पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा सकें। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

समाज सेवा ही सच्ची पूजा, जरूरतमंदों की मुस्कान ही सबसे बड़ा आशीर्वाद - राकेश कपूर

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई।मानवता की सेवा के संकल्प के साथ एक लक्ष्य सेवा फाउंडेशन द्वारा मनुकता दी सेवा सोसायटी में अपनी सेवा गतिविधि आयोजित की गई। इस दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने जरूरतमंद बच्चों एवं अन्य लोगों के बीच पहुंचकर आवश्यक सामग्री वितरित की और उनके साथ समय बिताकर सेवा एवं अपनत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर राकेश कपूर ने कहा, समाज सेवा ही सच्ची पूजा है और जरूरतमंदों की मुस्कान ही सबसे बड़ा आशीर्वाद है। ईश्वर केवल धार्मिक स्थलों में ही नहीं, बल्कि उन लोगों की दुआओं में भी बसते हैं जिनकी जिंदगी में हमारी छोटी-सी मदद उम्मीद की नई

किरण जगाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि किसी के आंसू पोंछना और उसके चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ा पुण्य है। मनुखता दी सेवा सोसायटी के संस्थापक एवं अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह मिंटू ने कहा, ‘जरूरतमंदों की सेवा केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा है। सेवा को एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बनाना चाहिए। उन्होंने एक लक्ष्य सेवा फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान समाज में प्रेम, करुणा और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। एक लक्ष्य सेवा फाउंडेशन की अध्यक्ष ऋतु जौहर ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल सहायता पहुंचाना नहीं, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करना है।

मौसम के अनुरूप अपनी वॉर्डरोब को नया रूप दें: फैबइंडिया का सहज और स्टाइलिश वेस्टर्न वियर

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई। आज भारतीय ग्राहक ऐसे कपड़े पसंद कर रहे हैं, जिन्हें ऑफिस से लेकर वीकेंड तक हर मौके पर आसानी से पहना जा सके। इसी वजह से वेस्टर्न वियर अब केवल फैशन का हिस्सा नहीं रहा, बल्कि आराम, बेहतरीन कारीगरी और सहज स्टाइल का भी प्रतीक बन गया है। हल्के और आरामदायक कपड़े, सलीकेदार डिजाइन और हाथ से बने प्रिंट इसकी खास पहचान हैं। साथ ही, ऐसे कपड़े जिन्हें अलग-अलग मौकों पर आसानी से पहना जा सके, आज की रोजमर्रा की ड्रेसिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। फैबइंडिया का वेस्टर्न वियर एडिट भी इसी सोच के साथ तैयार किया गया है। इसमें आरामदायक ड्रेसेज, को-ऑर्ड सेट्स, प्रिंटेड शर्ट्स और सदाबहार एक्सेसरीज शामिल हैं, जिन्हें आधुनिक जीवनशैली को ध्यान में रखकर बनाया गया है। भारतीय कारीगरी से तैयार ये परिधान आराम से समझौता किए बिना सहज स्टाइल और अलग पहचान का बेहतरीन मेल पेश करते हैं।

कैब चालक सुशील हत्याकांड: पांच आरोपियों पर हत्या के आरोप तय, 31 जुलाई से शुरू होगा ट्रायल

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई। कैब चालक सुशील उर्फ साहिल के अपहरण और हत्या के बहुचर्चित मामले में जिला अदालत ने बड़ा कदम उठाते हुए पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। अब इस मामले में 31 जुलाई से नियमित ट्रायल शुरू होगा। अदालत ने आरोपी रमन सिंह उर्फ नेगी, मोहित, रजनीश उर्फ एडी, शेमल सिंह और विजेंद्र उर्फ टुडो के खिलाफ हत्या, अपहरण और आपराधिक साजिश समेत विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। अभियोजन के अनुसार, आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते पांच फरवरी को सुशील का अपहरण किया और उसे जीरकपुर की प्रीत कॉलोनी ले जाकर बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। जांच में सामने आया कि यह रंजिश नवंबर 2025 में एक बर्थडे पार्टी के दौरान हुए विवाद से शुरू हुई थी। उस दौरान नई कार चलाने को लेकर हुए झगड़े में एक युवक की कार की चपेट में आने से मौत हो गई थी। उस मामले में सुशील के खिलाफ केस दर्ज था, लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। पुलिस के अनुसार, उसी घटना का बदला लेने के लिए आरोपियों ने सुशील की हत्या की साजिश रची। अब अदालत में 31 जुलाई से गवाहों के बयान और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे की सुनवाई शुरू होगी।

श्रद्धांजलि

आपको बड़े दुखी ह्रदय से सूचित किया जाता है कि हमारी आदरणीय

श्रीमती कुसुम जैन

(धर्मपत्नी श्री कुलदीप राय जैन)

जो अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके दिनांक 07.07.2026 दिन मंगलवार को प्रभु चरणों में विलीन हो गई हैं।

उनकी आत्मिक शांति हेतु रखी गई

रस्म पगड़ी

दिनांक 08.07.2026 दिन बुधवार को

प्रातः 11 बजे शहनशाह पैलेस, फिरोजपुर रोड, लुधियाना में संपन्न होगी।

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता

IQBAL SINGH LUCKY KHURANA

TANJIT SINGH KHURANA

GEN SEC, DAL BAZAR MERCHANT'S ASSOCIATION (REGD.), LUDHIANA

HAPPY KHURANA GARMENTS

राजपुरा कालोनी की झुग्गियों में मुफ़्त सिलाई सिखलाई केंद्र खोलना है महान पुण्य कार्य : सोनिया पुरी

निर्धनों और जरूरतमंदों की सेवा में दिन रात लगी रहती है जनहित समितिः अमरजीत साहीवाल

पटियाला/यूटर्न/07 जुलाई। निर्धनों और जरूरतमंद लोगों के लिए जनहित समिति (पंजीकृत) पटियाला ईश्वर का अनमोल वरदान सिद्ध हो रही है। अपने स्थापना वर्ष 1987 से आज तक यह संस्था समाज सेवा के क्षेत्र में चौबीसों घंटे काम करती है, जिससे समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों के मन में भी स्वावलंबी बनते हुए आगे बढ़ने की भावना को बल प्राप्त हुआ है।

यह भाव व्यक्त किए सुप्रसिद्ध समाज सेविका सोनिया पुरी ने। उन्होंने अपने ये उद्गार उस समय व्यक्त किए, जब वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की टी वी एंकर और लेखिका श्रीमती अमरजीत कौर साहीवाल और समिति के संस्थापक सदस्य अनिल कुमार भारती के साथ राजपुरा कालोनी पटियाला की झुग्गी झोंपड़ियों में जनहित समिति (पंजीकृत) पटियाला द्वारा चलाए जा रहे फ्री सिलाई कढ़ाई सिखलाई केंद्र का दौरा करने के लिए विशेष रूप से पधारीं।

इस अवसर पर मैडम अमरजीत साहीवाल ने केंद्र की लड़कियों को अपने परिजनों पर बोझ बनने के स्थान पर सिलाई कढ़ाई का हुनर सीखकर अपने घर वालों का कमाई में हाथ बंटाने की शिक्षा तो दी ही, साथ ही परिवार में अपने माता पिता, सास ससुर और बड़े लोगों को यथायोग्य सम्मान करने की शिक्षा भी दी। उन्होंने सभी को अपने सभी परिजनों को मेहनत और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने में अपना सहयोग देने के साथ ही साथ सभी परिजनों को हर प्रकार के नशों से दूर रखने के लिए एक प्रेरणाकारी किरदार निभाने की शिक्षा भी दी।

केंद्र में सिखलाई प्राप्त कर रही लड़कियों और महिलाओं ने बताया कि जब से जनहित समिति द्वारा इस अत्यंत पिछड़ी बस्ती में फ्री सिलाई कढ़ाई सिखलाई केंद्र खोला गया है, तब से उनकी जिंदगी का रुख ही पलट गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अब वे सिलाई कढ़ाई सीखने के साथ साथ अपने और अपने परिजनों के कपड़े स्वयं सिलकर पैसे तो बचाती ही हैं, इन में से कई महिलाएं तो अपने अड़ोस पड़ोस के लोगों के कपड़े सिल कर कमाई करते हुए अपने घर वालों का हाथ बंटाने के योग्य भी हो गई हैं। केंद्र की शिक्षिका दीदी की भी तारीफ करते हुए उन्होंने बताया कि वे अपने सब सुख दुःख दीदी के साथ सांझा करती हैं और उनको इनसे एक सच्चे मार्गदर्शक की तरह से सलाह भी मिल जाती है।

एएसआई दलजीत सिंह और सिपाही लवप्रीत सिंह डीजीपी डिस्क से सम्मानित

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/7/जुलाई। पुलिस विभाग में बेहतरीन सेवाएं देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का अक्सर उत्साहवर्धन किया जाता है। इसी कड़ी में, पुलिस जिला लुधियाना (देहात) के एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता द्वारा एएसआई दलजीत सिंह और सीनियर सिपाही लवप्रीत सिंह को 'डीजीपी डिस्क' से सम्मानित किया गया।

बता दें कि एएसआई दलजीत सिंह लुधियाना (देहात) के विभिन्न थानों और चौकियों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसी तरह, सीनियर सिपाही लवप्रीत सिंह भी पूरी निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। उनके इसी सराहनीय कार्य के चलते एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता ने उन्हें डीजीपी डिस्क प्रदान कर सम्मानित किया और उनका मनोबल बढ़ाया।

एसएसपी ने उन्हें भविष्य में भी इसी तरह मेहनत, ईमानदारी और लगन के साथ कर्तव्य का पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर एएसआई दलजीत सिंह और सीनियर सिपाही लवप्रीत सिंह ने एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता का तहे दिल से आभार व्यक्त किया।

कुल हिंद किसान सभा और खेत मजदूर यूनियन का बड़ा ऐलान, मांगें न माने जाने पर संघर्ष तेज करने की चेतावनी

मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंपा मांग पत्र

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगारांव/यूटर्न/7 जुलाई। जगरांव में एसडीएम के माध्यम से, कुलहिंद किसान सभा (AIKS) और खेत मजदूर यूनियन पंजाब की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम एक मांग पत्र सौंपा गया है, जिसमें किसानों और मजदूरों की ज्वलंत मांगों को तुरंत हल करने की मांग की गई है। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर गौर नहीं किया तो आने वाले समय में संघर्ष को और तेज किया जाएगा।

मुख्य मांगों का विवरण

कानूनों की वापसी: वी.बी. जी राम जी कानून को तुरंत वापस लेने और मनरेगा कानून को पूरी तरह से बहाल करने की मांग की गई है।

बिजली और बीज बिल: प्रस्तावित बिजली बिल 2025 और बीज संशोधन बिल को वापस लेने की मांग रखी गई है।

मजदूरों का कल्याण: भूमिहीन खेत मजदूरों को 10-10 मरले के प्लॉट देने और कच्चे मकानों वाले मजदूरों को घर बनाने के लिए 5 लाख रुपये की सहायता राशि देने की मांग की गई है।

कर्ज मुक्ति: किसानों और खेत मजदूरों के सभी कर्ज माफ किए जाएं।

जमीनी हक: आजादी के बाद जिन आबादकारों ने जमीनों को आबाद किया है, उन्हें जमीनों के मालिकाना हक दिए जाएं।

बॉर्डर किसानों की समस्याएं: बॉर्डर के पार वाली जमीनों के लिए 30 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा और खेती के काम के घंटे बढ़ाने की मांग की गई है।

महंगाई से राहत: तेल और गैस की कीमतों में की गई वृद्धि को वापस लेकर आम लोगों को महंगाई से राहत दी जाए।

अन्य मांगें: यूरिया और डी.ए.पी. खाद के नाम पर हो रही लूट को बंद करना और बाढ़ से बचाव के लिए नदियों के बांधों की तुरंत मरम्मत करना भी मांगों में शामिल है।

इस अवसर पर विशेष रूप से पहुंचे कुलहिंद किसान सभा के राज्य सचिव कामरेड सुखविंदर सिंह सेखों, डॉक्टर गुरिंदर सिंह, बलजीत सिंह गोरसियां और गुरदीप सिंह कोटउमरा तथा जत्थेबंदियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार को इन मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस कार्रवाई नहीं की तो किसान और मजदूर वर्ग अपने हक के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होगा। इस मौके पर बलजीत सिंह गोरसियां (राज्य कमेटी सदस्य, खेत मजदूर यूनियन/जिला संयुक्त सचिव), मुख्तियार सिंह, स्वर्ण सिंह, गुरदयाल, बलविंदर सिंह, मंजीत सिंह, चरण सिंह, सुखचैन सिंह, बलजीत सिंह, जसवीर सिंह, अर्शदीप सिंह, धर्मप्रीत सिंह, काका सिंह, जस्सी सिंह, लवप्रीत सिंह, शुभकरण सिंह, जसप्रीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, मुख्तियार सिंह, जशनदीप सिंह, बूटा सिंह हंस कलां के अलावा बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

एडवेंचर लुक में नजर आईं आलिया भट्ट, तस्वीर वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट की एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा में है। तस्वीर में आलिया ब्लैक स्पोर्ट्स आउटफिट और बैकपैक के साथ एडवेंचर लुक में नजर आ रही हैं। पहाड़ी बैकग्राउंड के बीच उनका फिटनेस अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स आलिया के कॉन्फिडेंट अंदाज और फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं। यह तस्वीर किसी आउटडोर शूट या एडवेंचर प्रोजेक्ट से जुड़ी बताई जा रही है। हालांकि, इसको लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

साईकिल टेंडर : राजस्थान का ई-वाउचर मॉडल या टेंडर सिस्टम पर सवाल?

दिल्ली टेंडर के बाद अब राजस्थान की नीति पर उद्योग की नजर, बड़े और उभरते ब्रांडों के बीच बढ़ी कम्पीटिशन

नई दिल्ली/यूटर्न/07 जुलाई। राजस्थान सरकार द्वारा छात्राओं को साइकिल वितरण योजना के स्थान पर ई-वाउचर मॉडल लागू करने के प्रस्ताव ने साइकिल उद्योग में नई बहस छेड़ दी है। उद्योग जगत का एक वर्ग मानता है कि विभिन्न राज्यों की सरकारी खरीद प्रणाली में एकाएक हो रहे बदलाव सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया से कहीं अधिक व्यापक रणनीतिक परिवर्तन की ओर इशारा करते हैं। हालांकि डीलर आधारित साइकिल वितरण और ई-वाउचर मॉडल का प्रयोग पहले भी कुछ राज्यों में किया जा चुका है, लेकिन कमियों के कारण यह योजना सफल नहीं हो सकी। यदि इस बार यह मॉडल प्रभावी ढंग से लागू होता है, तो वर्षों से सरकारी टेंडरों पर आधारित साइकिल कारोबार की पूरी संरचना बदल सकती है। इसी बीच दिल्ली सरकार के हालिया साइकिल टेंडर के नतीजों ने भी उद्योग के भीतर कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या बदल जाएगा सरकारी खरीद का पूरा मॉडल ?

यदि राजस्थान सरकार ई-वाउचर योजना लागू करती है तो सरकार स्वयं साइकिल खरीदने के बजाय पात्र छात्राओं को डिजिटल ई-वाउचर जारी करेगी। छात्राएं अपनी पसंद के अधिकृत डीलर या विक्रेता से साइकिल खरीद सकेंगी। हालांकि विशेषज्ञ याद दिलाते हैं कि अतीत में भी कई राज्यों ने ऐसी व्यवस्था अपनाने का प्रयास किया था, लेकिन संचालन और निगरानी संबंधी चुनौतियों के कारण मॉडल अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर सका।

यदि इस बार प्रभावी होता है तो इसके कई सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं—

- सरकारी टेंडरों पर निर्भरता कम होगी।
- स्थानीय डीलरों और अधिकृत रिटेल नेटवर्क को सीधा कारोबार मिलेगा।
- छात्राओं को अपनी आवश्यकता और पसंद के अनुसार ब्रांड व मॉडल चुनने की स्वतंत्रता मिलेगी।
- कंपनियों के बीच वास्तविक बाजार आधारित प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।
- सरकारी खरीद प्रक्रिया में देरी की समस्या भी काफी हद तक समाप्त हो सकती है।

सरकारी टेंडर बाजार में बढ़ी अंदरूनी प्रतिस्पर्धा

साइकिल उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी टेंडर बाजार लंबे समय से कुछ स्थापित कंपनियों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कई नई और उभरती कंपनियों के सरकारी टेंडर कारोबार में उतरने से प्रतिस्पर्धा काफी तेज हुई है। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि इस बदलाव ने फर्स्ट लाइन और सेकंड लाइन की कंपनियों के बीच मुकाबले को और तीखा बना दिया है।

पहली और दूसरी पंक्ति की कंपनियों के बीच बढ़ी खींचतान

उद्योग से जुड़े जानकारों का कहना है कि दिल्ली टेंडर के परिणाम और राजस्थान के प्रस्तावित ई-वाउचर मॉडल जैसे दो बड़े घटनाक्रमों ने बाजार में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। वर्षों से सरकारी खरीद में स्थापित कंपनियों का दबदबा रहा है, जबकि हाल के वर्षों में कई नई कंपनियों ने भी सरकारी टेंडर कारोबार में अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू की है। बाजार में यह चर्चा भी है कि यदि ई-वाउचर मॉडल लागू होता है तो पारंपरिक टेंडर आधारित कारोबार का आकार कम हो सकता है। ऐसे में सरकारी खरीद पर निर्भर कंपनियों की रणनीतियों में बदलाव आना स्वाभाविक माना जा रहा है। हालांकि इन चर्चाओं की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

बाजार की नजर अब राजस्थान पर

उद्योग जगत का मानना है कि राजस्थान सरकार का अंतिम फैसला पूरे सरकारी साइकिल बाजार की दिशा तय कर सकता है। यदि यह मॉडल सफल रहता है तो भविष्य में अन्य राज्य भी टेंडर आधारित खरीद के बजाय ई-वाउचर व्यवस्था अपनाने पर विचार कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर उद्योग के एक वर्ग का मानना है कि पारंपरिक टेंडर प्रणाली बड़े निर्माताओं के लिए अधिक अनुकूल रही है, जबकि ई-वाउचर मॉडल में कंपनियों को सीधे उपभोक्ता की पसंद, गुणवत्ता और डीलर नेटवर्क के आधार पर प्रतिस्पर्धा करनी होगी।

दिल्ली टेंडर बना पूरे उद्योग में चर्चा का विषय

हाल ही में दिल्ली सरकार के साइकिल टेंडर में पारंपरिक रोडस्टर साइकिलों के स्थान पर फैंसी एमटीबी साइकिलों की आपूर्ति के साथ एक दिल्ली आधारित स्पोर्ट्स डीलर माटा स्पोर्ट्स के एल-1 आने के बाद पूरे उद्योग में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। उद्योग सूत्रों के अनुसार इस टेंडर में देश की प्रमुख साइकिल निर्माता कंपनियां हीरो इकोटेक और एवन साइकिल भी शामिल थीं। ऐसे में बिना पूर्व सरकारी साइकिल आपूर्ति अनुभव वाले स्पोर्ट्स डीलर के एल-1 बनने से उद्योग के भीतर कई सवाल उठ रहे हैं। बाजार में यह भी चर्चा है कि टेंडर शर्तों में कथित तौर पर जानकारी छिपाने संबंधी विवाद पहले ही सामने आ चुका है, जिस पर संबंधित पक्षों के बीच मतभेद बने हुए हैं। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि अंतिम चयन किन तकनीकी और वित्तीय मानदंडों के आधार पर हुआ, इसकी पारदर्शी जानकारी सामने आनी चाहिए।

जानकीदास हत्याकांड में बड़ा खुलासाः कैमिस्ट मालिक था असली निशाना, पहचान की चूक में कैशियर की ले ली जान

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/07 जुलाई। सेक्टर-11 स्थित श्री कुमार केमिस्ट के कैशियर जानकीदास हत्याकांड की जांच में ऐसा खुलासा हुआ है, जिसने पूरी वारदात की दिशा बदल दी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बदमाशों का असली निशाना कैशियर नहीं, बल्कि कैमिस्ट दुकान का मालिक था। गलत पहचान के कारण शूटरों ने कैश काउंटर पर बैठे जानकीदास को ही टारगेट समझ लिया और गोलियां बरसा दीं। सोमवार को मामले के मुख्य साजिशकर्ता अमित कुमार उर्फ शराबी को पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच सेक्टर-11 कैमिस्ट मार्केट लेकर पहुंची, जहां करीब एक घंटे तक सीन रिक्रिएशन कराया गया। इस दौरान वारदात के हर चरण को दोबारा दोहराया गया और आरोपी से घटनास्थल पर ही पूछताछ की गई।

पहले दूसरी दुकान पहुंचा, फिर हुई घातक गलती

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में अमित शराबी ने बताया कि वह सबसे पहले कुमार ब्रदर्स पहुंचा था, लेकिन वहां उसे बताई गई पहचान वाला व्यक्ति नहीं मिला। इसके बाद वह श्री कुमार केमिस्ट पहुंचा। मार्केट में एक जैसे नाम वाली कई दुकानों के कारण वह कुछ देर तक भ्रमित रहा। जब वह सही दुकान पर पहुंचा तो कैश काउंटर पर बैठे जानकीदास का हुलिया उसे बताए गए व्यक्ति से मिलता-जुलता लगा। इसके बाद उसके साथी सन्नी मेहरा ने जानकीदास पर गोलियां चला दीं।

'चश्मा लगाए मोटे आदमी' को मारने का मिला था निर्देश...जांच में सामने आया है कि शूटरों को केवल दो पहचान बताई गई थीं—कैश काउंटर पर बैठा चश्मा लगाए मोटा व्यक्ति। पुलिस का दावा है कि यह पहचान दुकान के मालिक की थी, लेकिन उस समय काउंटर पर बैठे जानकीदास का हुलिया उससे मिलता-जुलता होने के कारण बदमाशों ने उन्हें ही निशाना बना दिया।

सीसीटीवी और डिजिटल साक्ष्यों से मिलाए जा रहे बयान...*सीन रिक्रिएशन के दौरान आरोपी के बयानों का घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और अन्य तकनीकी साक्ष्यों से मिलान किया गया। पुलिस का मानना है कि इससे हत्या की साजिश, आरोपियों की भूमिका और टारगेट की पहचान से जुड़े कई अहम तथ्य मजबूत होंगे।*

गोल्डी ढिल्लों से जेल में कराई गई थी बात...पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि जेल में बंद रोहित माखन ने अमित शराबी की बातचीत गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों से कराई थी। इसके बाद कथित तौर पर सेक्टर-11 कैमिस्ट मार्केट में टारगेट किलिंग की सुपारी दी गई। जांच एजेंसियों का दावा है कि आरोपियों के बीच संपर्क सिग्नल ऐप और अन्य माध्यमों से बना हुआ था तथा वारदात का पूरा रूट मैप पहले से तैयार किया गया था।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372